कार्तिक शुक्ल पक्ष -10, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 132 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
19 नवंबर 2026 गुरुवार

आज का मौसम
29.7 अधिकतम
13.0 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के कमल को अब राधे-राधे का आसरा!

यूपी का चुनावी चक्रव्यूह पार्ट - 1



राजेश सिरोठिया

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों की गहमागहमी ने बीस साल पुराने राजनीतिक हालात की याद दिला दी है। आबादी के लिहाज से दुनिया के सातवें सबसे बड़े देश के आसपास खड़ा उत्तर प्रदेश एक बार फिर ऐसे चुनावी चौराहे पर है, जहां किसी भी राजनीतिक दल के लिए मतदाताओं का मिजाज समझना आसान नहीं रह गया है। पिछले दो दशकों में यूपी के मतदाताओं ने सरकार बनाने के लिए स्पष्ट जनादेश दिए हैं। लेकिन इस बार चुनाव से करीब पांच महीने पहले ही सियासी समीकरण जिस तेजी से बदल रहे हैं, उसने सत्तारूढ़ भाजपा से लेकर समाजवादी पार्टी तक की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल करने के लिए मैदान में उतर रहे हैं। भाजपा के सामने चुनौती केवल सत्ता विरोधी रुझान की नहीं, बल्कि अपने परंपरागत सामाजिक आधार को एकजुट रखने की भी है। विशेष रूप से ब्राह्मणों के एक वर्ग में योगी सरकार को लेकर असंतोष की चर्चाओं को नजरअंदाज करना पार्टी के लिए आसान नहीं होगा। उत्तर प्रदेश की राजनीति में ब्राह्मणों का प्रभाव उनकी अनुमानित दस से बारह प्रतिशत आबादी तक सीमित नहीं है। राजनीतिक नेतृत्व, आर्थिक संसाधनों, सामाजिक प्रतिष्ठा और स्थानीय प्रभाव के कारण अनेक क्षेत्रों में उनकी भूमिका व्यापक रही है। मध्य प्रदेश में भी ब्राह्मणों की अच्छी-खासी आबादी है, लेकिन यहां अपेक्षाकृत कम संख्या वाले क्षत्रिय समुदाय का राजनीतिक प्रभाव कई क्षेत्रों में अधिक दिखाई देता है। यूपी की सामाजिक संरचना अलग है। यहां ब्राह्मणों की राजनीतिक नाराजगी का असर दूसरे सामाजिक समूहों के समीकरणों पर भी पड़ सकता है।

यही वजह है कि भाजपा के लिए ब्राह्मण असंतोष केवल एक जाति विशेष की नाराजगी का मामला नहीं है। दूसरी तरफ कांग्रेस भी अपने पुराने ब्राह्मण आधार की वापसी में राजनीतिक पुनर्जीवन की संभावना तलाश रही है। सवाल यह है कि क्या भाजपा अपने इस प्रभावशाली समर्थक वर्ग की शिकायतों को चुनाव से पहले दूर कर पाएगी? भाजपा की दूसरी चुनौती उसके संगठन और सरकार के बीच तालमेल की है। इसकी सबसे बड़ी वजह प्रशासन में एक जाति विशेष के लोगों को महत्व देने , संगठन की उपेक्षा और अब चुनाव के मुहाने पर सभी को एकजुट होने की अपील से उपजा आक्रोश है। अमित शाह का कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेद भुलाने का आग्रह भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

2017 के विधानसभा चुनाव में अमित शाह ने जिस तरह संगठन, बूथ प्रबंधन और जातीय समीकरणों को साधने की जिम्मेदारी संभाली थी, उसकी याद फिर ताजा हो रही है। तब सीएम चेहरे के रूप में योगी आदित्यनाथ का नाम दूर दूर तक नहीं था । तब भाजपा पंद्रह साल बाद सत्ता में वापसी के लिए लड़ रही थी। इस बार उसे बीजेपी को योगी सरकार के दस वर्षों के शासन का हिसाब देना है। 2022 में योगी के नेतृत्व में भाजपा ने दोबारा सरकार बनाई थी, लेकिन बीजेपी की सीटें घटीं। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की 80 सीटों में भाजपा केवल 33 पर सिमट गई। समाजवादी पार्टी ने 37 सीटें जीतकर भाजपा को बड़ा राजनीतिक झटका दिया। इन परिणामों ने स्पष्ट किया कि विधानसभा का जनादेश लोकसभा चुनाव में अपने आप दोहराया नहीं जाता।

ऐसे में नरेंद्र मोदी और अमित शाह के लिए सब कुछ योगी आदित्यनाथ के भरोसे छोड़ देना राजनीतिक रूप से जोखिमपूर्ण हो सकता है। शाह की सक्रियता बताती है कि केंद्रीय नेतृत्व संगठनात्मक समीकरणों को स्वयं भी संभाल रहा है। मोदी की चुनावी भूमिका आगे कितनी व्यापक होगी, यह आने वाले महीनों में स्पष्ट होगा। इसी बीच मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा भी भाजपा के चुनावी एजेंडे में उभरा है। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद मथुरा का सवाल हिंदुत्व की राजनीति को नया विस्तार दे सकता है। यानी इस बार 'बच्चा बच्चा राम का, बीजेपी के काम का' की बजाए 'राधे राधे , कमल खिला दे' का नारा बुलंद किया जाएगा । लेकिन क्या धार्मिक मुद्दे इस बार जातीय असंतोष, बेरोजगारी, महंगाई और स्थानीय शिकायतों पर भारी पड़ेंगे? फिलहाल इसके स्पष्ट संकेत नहीं हैं।

अपने घर के समीकरण भी साधने होंगे...

दरअसल, भाजपा के सामने सबसे जटिल सवाल यही है कि योगी की प्रशासनिक छवि, मोदी की लोकप्रियता और शाह का संगठनात्मक कौशल क्या एक बार फिर समान राजनीतिक दिशा में काम कर पाएंगे? उधर अखिलेश यादव के सामने कांग्रेस की बढ़ती महत्वाकांक्षा और चंद्रशेखर आजाद के साथ ओवैसी की एंट्री ने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इसलिए मुकाबले को अभी केवल भाजपा बनाम सपा मानना जल्दबाजी होगी। उत्तर प्रदेश की राजनीति में पांच महीने का समय बहुत लंबा है। इस बीच बहुत कुछ बदल सकता है। लेकिन इतना जरूर है कि इस बार भाजपा को विपक्ष से मुकाबला करने के साथ अपने घर के समीकरण भी साधने होंगे। सवाल केवल योगी की तीसरी पारी का नहीं, बल्कि उस सामाजिक और राजनीतिक गठबंधन की मजबूती का है, जिसने भाजपा को यूपी की सत्ता तक पहुंचाया था। ... जारी

न्यूज विंडो

वेलिंगटन टेस्ट...न्यूजीलैंड ने 243 रन बनाए, बुमराह को 3 विकेट



वेलिंगटन। वेलिंगटन टेस्ट का पहला दिन मिलाजुला रहा। सुबह पहले सेशन में भारतीय पेसर्स का दबदबा रहा। उसके बाद न्यूजीलैंड के बैटर्स ने वापसी की। आज पहले दिन का खेल समाप्त होने तक कीवियों ने 5 विकेट पर 243 रन बनाए। हेनरी निकल्स 113 और ग्लेन फिलिप्स 94 रन पर नाबाद लौटे। दोनों में 173 रन की साझेदारी की। जसप्रीत बुमराह ने टॉम ब्लंडेल (5 रन), टॉम लैथम (0) और डेरिल मिचेल (1 रन) को आउट किया। आकाशदीप ने रचिन रवींद्र (15 रन) और अंशुल कंबोज ने डेवोन कॉन्वे के विकेट लिए।

मोदी की मंत्रियों के साथ 3.5 घंटे बैठक, कामकाज का रिव्यू किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रीपरिषद की बैठक हुई है। इसमें सभी कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री और स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री शामिल हुए। गृह और वित्त मंत्रालय समेत 11 मंत्रालयों और विभागों के सचिवों ने इन मुद्दों पर प्रेजेंटेशन दिया। बैठक में गरीबी कम करने के लिए सरकार की योजनाओं की तारीफ की गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने मंत्रियों के कामकाज का जायजा लिया। उन्होंने देखा कि सरकारी योजनाएं कितनी आगे बढ़ी हैं और जोर दिया कि इनका फायदा हर जरूरतमंद तक पहुंचना चाहिए।



ईडी की याचिका खारिज... आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मिली अंतरिम जमानत को चुनौती देने वाली ईडी की याचिका खारिज कर दी है। यह मामला कथित दोहरे पैन कार्ड से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले से निकले मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से संबंधित है। ईडी ने आजम खान को मिली अंतरिम जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ ने ईडी की इस याचिका को खारिज कर दिया।

आज का कार्टून



प्रदेश के पांच संभागों में कल से तीन दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

सीजन में पहली बार पारा 9° से नीचे

पचमढ़ी से भी ठंडे भोपाल, जबलपुर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी की वजह से प्रदेश में ठंड बढ़ गई है। सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचा है। बीती रात कटनी के करौंदी में पारा 8.9 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। भोपाल और जबलपुर में पचमढ़ी से भी ज्यादा ठंड रही। पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 13.4 डिग्री दर्ज हुआ जबकि भोपाल में 13 डिग्री और जबलपुर में 11.9 रहा। मौसम विभाग ने 20 से 22 नवंबर तक प्रदेश के कई जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसका असर पूर्वी और दक्षिणी मध्य प्रदेश में ज्यादा रहेगा। जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर और नर्मदापुरम संभाग के जिलों में मौसम बदलने का अनुमान है।

इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'अकवान ' का भी प्रदेश के मौसम पर असर रहेगा। अगले तीन दिनों तक शहडोल और डिंडौरी में भारी बारिश का अलर्ट है। यहां अगले 24 घंटे में ही 4 इंच से ज्यादा बारिश हो सकती है। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, दमोह, कटनी, मैहर, उमरिया, अनूपपुर, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में भी मौसम बदलेगा।

ओडिशा के छह जिलों में स्कूल बंद... 110 किमी की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

तूफान 'अकवान' की समय से पहले दस्तक... आंध्र-ओडिशा में हलचल

10 राज्यों में असर, अलर्ट पर इंडियन नेवी



प्रशासन की टीमें पूरी तरह सतर्क

भारतीय नौसेना और प्रशासन की टीमें पूरी तरह सतर्क हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दक्षिणी ओडिशा और तटीय इलाकों में इसका ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। मलकानगिरी, कोरापुट, रायगढ़ा और कालाहांडी समेत कई जिलों में भारी बारिश का अनुमान है।

पुरी बीच पर बोट्स को किनारों पर खड़ा कर दिया गया है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है। ओडिशा के तटीय इलाकों में NDRF, SDRF और अन्य रेस्क्यू टीम तैनात की गई हैं।

विशाखापट्टनम/चेन्नई/भुवनेश्वर, एजेंसी। चक्रवाती तूफान अकवान आज दोपहर बाद तक आंध्र प्रदेश के नरसापुर और ओडिशा के पुरी के बीच तट से टकरा सकता है। इस दौरान 90 से 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका है। मौसम विभाग ने पहले तूफान के शुक्रवार को आंध्र प्रदेश के तट से टकराने का अनुमान जताया था। तूफान के असर से ओडिशा, पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश हो रही है। ओडिशा के 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, 6 जिलों में 19 से 21 नवंबर तक स्कूल और आंगनवाड़ी बंद रहेंगे। अब तक 50 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बताया कि राज्य के 13 जिलों में भारी बारिश को लेकर 'रेड अलर्ट' जारी किया गया है।

दाऊद के पुश्तैनी घर पर बीएमसी ने चलाया बुलडोजर



मुंबई। यहां भिंडी बाजार में दाऊद इब्राहीम के पुराने पुश्तैनी घर को बुलडोजर से गिरा दिया गया। बीएमसी ने बताया कि पाकमोडिया स्ट्रीट स्थित मुसफिखाना बिल्डिंग जर्जर हो चुकी थी। इमारत को सी-1 श्रेणी में रखा था। दीवारों और छत के गिरने का खतरा होने के कारण इसे गिराया जा रहा है। स्थानीय लोगों के विरोध को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। कार्रवाई आज सुबह से जारी है। यह इमारत दाऊद इब्राहीम का पुश्तैनी घर है। मकान मस्जिद का हिस्सा है। बीएमसी ने साफ किया कि सिर्फ जर्जर हिस्सा गिराया जा रहा है, पूरी मस्जिद को नहीं गिराया जाएगा।

सोना 11 महीने में सबसे सस्ता 1.32 लाख से नीचे आया

नई दिल्ली। सोने-चांदी के दाम में आज लगातार छठे दिन गिरावट रही। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना आज 3,037 रुपए गिरकर 1.31 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं, एक किलो चांदी 5,438 रुपए घटकर 1.64 लाख रुपए पर आ गई है। सोने का यह 11 महीने में सबसे निचला स्तर है। इससे पहले सोना 19 दिसंबर 2025 को 1,31,779 रु. पर था, जो 22 दिसंबर 1,33,970 रु. हुआ था। इसके बाद दाम 1,31,779 से नीचे नहीं आया। सोना-चांदी की कीमत में गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंचे दामों पर बिकवाली करने से हो रही है।

एपेक...ट्रम्प-जिनपिंग और पुतिन की मीटिंग आज

» 80 साल में पहली बार 3 सुपरपावर्स एक साथ, ईरान समेत 5 मुद्दों पर चर्चा



शेनझेन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आज पहली बार एक साथ बैठक कर रहे हैं। यह त्रिपक्षीय बैठक चीन के शेनझेन में चल रहे एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (APEC) समिट के दौरान होगी। बैठक में ईरान और यूक्रेन युद्ध समेत 5 जरूरी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस बैठक की तुलना 1945 के याल्टा सम्मेलन से की जा रही है। करीब 80 साल पहले अमेरिका के राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल और सोवियत नेता जोसेफ स्टालिन क्रीमिया के याल्टा में मिले थे।

भोपाल में आज से महिला हॉकी का महाकुंभ



भोपाल, दोपहर मेट्रो। राजधानी में आज से महिला हॉकी का अंतरराष्ट्रीय रोमांच शुरू होने जा रहा है। मध्यप्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2026 में भारत सहित छह देशों की टीमें खिताब के लिए मैदान में उतरेंगी।

चीन-थाईलैंड में पहला मुकाबला: प्रतियोगिता के पहले दिन ही हॉकी प्रेमियों को तीन मुकाबले देखने को मिलेंगे। चीन और थाईलैंड के बीच उद्घाटन मुकाबला खेला गया। इसके बाद दोपहर को जापान और कोरिया की टीमें आमने-सामने होंगी। दिन का तीसरा और भारतीय टीम का पहला मुकाबला शाम 4:45 बजे भारत और मलेशिया के बीच होगा। इसके बाद शाम 6:30 बजे उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। ...पेज-7 भी देखें।

मेट्रो एंकर

विश्व की आबादी में तेजी से बढ़ेंगे मुस्लिम, हिंदुओं की हिस्सेदारी घटेगी

2035 तक दुनिया का सबसे बड़ा धर्म बन जाएगा इस्लाम

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक स्तर पर धार्मिक आबादी में हो रहे बदलावों को लेकर अमेरिका के 'प्यू रिसर्च सेंटर' की नई रिपोर्ट सामने आई है। इसके मुताबिक, दुनिया की आबादी 2050 तक 9.30 अरब पहुंच सकती है, जो 2010 में करीब 6.90 अरब थी।

रिपोर्ट के मुताबिक 2010 के मुकाबले 2050 तक मुस्लिम आबादी करीब 73% बढ़ सकती है। यानी मुसलमानों की आबादी 1.6 अरब से बढ़कर लगभग 2.76 अरब हो जाएगी।

2020 से 2050 के बीच भारत में हिंदुओं की आबादी 17.6 करोड़ बढ़ने का अनुमान है। हालांकि, देश की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटने का अनुमान है। इसकी वजह मुस्लिमों की ज्यादा प्रजनन दर है। हालांकि, इसके बावजूद 2070 तक हिंदू भारत की कुल आबादी के तीन-चौथाई से ज्यादा बने रहेंगे।

मुस्लिम महिलाओं के औसतन बच्चों की संख्या ज्यादा

प्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक, पिछले कुछ दशकों में भारत की कुल प्रजनन दर में गिरावट आई है। हालांकि, मुस्लिम महिलाओं के औसतन बच्चों की संख्या हिंदू महिलाओं से अधिक है। इसके अलावा भारत में मुस्लिम आबादी का आयु वर्ग भी अपेक्षाकृत युवा है। इन दोनों कारणों से आने वाले दशकों में देश की आबादी में मुस्लिमों का अनुपात बढ़ने और हिंदुओं की हिस्सेदारी में मामूली कमी आने का अनुमान है। प्यू रिपोर्ट में यह भी अनुमान लगाया गया है कि 2035 तक इस्लाम दुनिया का सबसे बड़ा धर्म बन सकता है। फिलहाल दुनिया में 2.27 अरब ईसाई और 2.02 अरब मुस्लिम हैं। अनुमान है कि 2035 तक मुस्लिम आबादी बढ़कर 2.57 अरब और ईसाई आबादी 2.52 अरब हो जाएगी। रिपोर्ट के अनुसार, मुस्लिम महिलाओं की प्रजनन दर सबसे ज्यादा है। 2020 से 2025 के बीच मुस्लिम महिलाओं में प्रति महिला औसतन 3.1 बच्चे पैदा हुए, जबकि ईसाई महिलाओं में यह आंकड़ा 2.5 और अन्य धर्मों में 1.6 रहा। अनुमान के मुताबिक, 2070 तक दुनिया में मुस्लिमों की आबादी 3.6 अरब से ज्यादा हो सकती है। वहीं, ईसाइयों की संख्या 3 अरब से कम रहने का अनुमान है।



अमेरिका में दोगुनी हो सकती है हिंदू आबादी

अमेरिका में भी हिंदुओं की आबादी दोगुने से ज्यादा होने का अनुमान है। 2020 में यहां करीब 40 लाख हिंदू थे, जिनकी संख्या 2070 तक बढ़कर 90 लाख हो सकती है। इस क्षेत्र की कुल आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी 1 प्रतिशत से बढ़कर 2 प्रतिशत होने का अनुमान है। अफ्रीका और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन ऐसे क्षेत्र होंगे, जहां हिंदुओं की कुल संख्या में गिरावट आने की संभावना है।

पाक में होंगे सबसे ज्यादा मुसलमान

प्यू का अनुमान है कि मौजूदा रुझान जारी रहने पर 2070 तक पाकिस्तान दुनिया में सबसे ज्यादा मुस्लिम आबादी वाला देश बन जाएगा। इसके बाद भारत, नाइजीरिया और इंडोनेशिया का स्थान होगा। फिलहाल इंडोनेशिया में दुनिया के सबसे ज्यादा मुस्लिम रहते हैं।

शहर में सुबह अब छाने लगी धुंध; ठंडी के हवा के बीच बच्चे गर्म कपड़ों में जा रहे स्कूल, अब तेजी से गिरेगा पारा, रात के साथ दिन में भी बढ़ेगी सर्दी

सर्दी ने दी दस्तक...कोहरे की चादर के बीच धूप ने बढ़ाई शहर की सुंदरता

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का असर राजधानी समेत पूरे प्रदेश में नजर आने लगा है। शहर के मौसम में सुबह के समय बदलाव आया है। हल्की ठंडक के साथ शहर की सड़कों पर कोहरे जैसा माहौल दिखने लगा है। ठंडी हवा के बीच सूरज की पहली किरणें जमीन पर पड़ते ही शहर बेहद सुंदर नजर आता है। सुबह की सैर पर निकलने वाले लोग ताजा और ठंडी हवा का आनंद ले रहे हैं। वहीं, हल्की धुंध के बीच छनकर आती सुनहरी धूप मौसम की खूबसूरती को और बढ़ा रही है। पेड़ों और इमारतों के बीच से झांकती धूप शहर को अलग ही रंग दे रही है। सुबह में कई इलाकों में वाहन चालकों को भी हल्की धुंध का सामना करना पड़ रहा है। मौसम में आए इस बदलाव के साथ लोगों ने गर्म कपड़े निकालना









कल से दो दिन आंधी बारिश के आसार

मौसम केंद्र भोपाल के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान 'अकवान' के कारण प्रदेश में मौसम बदलेगा। 20 से 22 नवंबर तक कई जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसका असर पूर्वी और दक्षिणी मध्य प्रदेश में ज्यादा रहेगा।

न्यूज विंडो

भोपाल में एमपीसीए अंडर-22 मैच शुरू, अंकुर की बड़ी जीत



भोपाल। फेथ क्रिकेट क्लब ग्राउंड पर एमपीसीए अंडर-22 परमानंदभाई पटेल ट्रॉफी (2026/27) के भोपाल-जबलपुर मुकाबले का शुभारंभ बीडीसीए अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह ने किया। टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनने वाले जबलपुर के खिलाफ पहले दिन भोपाल ने 90 ओवर में 5 विकेट पर 295 रन बनाए। आर्यन साहनी ने 145 गेंदों में 98 रन बनाए। आयुष अवस्थी ने 63 रन जोड़े, जबकि किंशुक श्रीवास (33*) और आलिफ हसन (26*) नाबाद लौटे। जबलपुर से अनुराग पटेल ने 2 विकेट लिए। बीडीसीए अंडर-15 इंटर क्लब मैच में अंकुर ने संजय गुप्ता अकादमी को पारी और 280 रनों से हराया।

उत्तरप्रदेश की महिला तस्कर एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

भोपाल। कानपुर की एक महिला तस्कर को क्राइम ब्रांच पुलिस ने उस समय धरदबोचा जब वह एमडी ड्रग्स की डिलीवरी देने वीआईपी गेस्ट हाउस के पास आई थी। उसके पास से 4.66 ग्राम एमडी बरामद हुई है, जिसकी कीमत 1.35 लाख रुपए है। क्राइम ब्रांच के अनुसार, मुखबिरी सूचना पर बेगमगंज चमनगंज, कानपुर निवासी खजिया आलम पिता मेहबूब आलम को गिरफ्तार किया गया है। वह भोपाल में लालघाटी में रह रही है।

पारिवारिक कारणों से पुताई ठेकेदार ने लगा ली फांसी, हुई मौत

भोपाल। गांधी नगर थाना क्षेत्र में कल देर रात पुताई ठेकेदार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह 4 बजे परिजनों ने उसे फंदे पर लटके देखा। उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। बताते हैं, पारिवारिक विवाद में उसने आत्मघाती कदम उठाया है। उसकी शिनाख्त बिजली ऑफिस के पीछे गांधी नगर निवासी सुनील उर्फ दीपक अहिरवार पुत्र भंवरलाल अहिरवार के रूप में हुई है।

कॉलेज बस से भिड़ी कार, चूना भट्ठी जा रहे एसआई गंभीर घायल



भोपाल। पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के पास बुधवार शाम कॉलेज बस और कार की भिड़ंत हो गई। हादसे में जहांगीराबाद थाने में पदस्थ सब इंस्पेक्टर अफसार खान गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी वेन्यू कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, आकृति ईको सिटी निवासी अफसार खान शाम करीब 5.30 बजे नेहरू नगर से चूना भट्ठी जा रहे थे। संस्थान के पास मैदान से सटे मोड़ पर सामने से आ रही कॉलेज बस से उनकी कार टकरा गई। बस छात्रों को हॉस्टल छोड़ने के लिए नेहरू नगर की ओर जा रही थी।

रहवासी क्षेत्र में कमर्शियल एक्टिविटी...23 को शीर्ष कोर्ट में होनी है सुनवाई

74 दिन कार्रवाई नहीं, 'सुप्रीम' डर से अब 340 दुकानें सील

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आवासीय क्षेत्र में कमर्शियल गतिविधियों के मामले में सुप्रीम कोर्ट में 23 नवंबर को होने वाली सुनवाई से पहले नगर निगम ने सीलिंग की कार्रवाई को रफ्तार दे दी है। 5 सितंबर को कार्रवाई बंद कर चुके नगर निगम के अफसर 74 दिन बाद 17 नवंबर को जागे और कार्रवाई शुरू कर दी। इस बार निगम ने शहर में करीब 100 साल से भी ज्यादा पुराने इलाकों जुमेराती, मंगलवारा, इतवारा, चौक बाजार और आजाद मार्केट पहुंचे। दुकानदार को सीलिंग का नोटिस थमाए और कहा, नोटिस हाथ में लेकर खड़े हो जाइए, फोटो खींचनी है। कर्मचारी दुकानदार और नोटिस की तस्वीर ले रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि आला अफसरों को सबूत देना है कि नोटिस वास्तव में बांटे गए हैं। रहवासी इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई में यह नया तरीका सामने आया है। जानकारों की मानें तो 'सुप्रीम' सुनवाई से पहले 21 जोनों की टीमें कार्रवाई कर कोर्ट में अपनी स्टेटस रिपोर्ट पेश करने की तैयारी में है। व्यापारी संजीव जैन का कहना है कि इतवारा, जुमेराती, मंगलवारा, चौक बाजार, आजाद मार्केट और आसपास के इलाके 100 साल से कारोबारी गतिविधियों के केंद्र हैं। कई बाजारों का स्वरूप नवाबी दौर या उससे पहले से चला आ रहा है।



दो दिन में 2,041 दुकानों को नोटिस

रहवासी इलाकों में कारोबार पर रोक के मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले नगर निगम ने दो दिन में 2,041 प्रतिष्ठानों को नोटिस दिए। 340 को बंद कराया गया। निगम का अमला आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत भवनों और परिसरों में व्यावसायिक गतिविधियां करने वालों पर कार्रवाई कर रहा है। कई जगह बंद कराए गए प्रतिष्ठान कुछ समय बाद दोबारा खुल गए, जबकि कुछ स्थानों पर ताले पर सफेद टेप लगाकर सीलिंग कार्रवाई पूरी करने का दावा किया गया। 3 चरणों में 9,992 नोटिस, 631 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई निगम के अनुसार पहले दो चरणों में 7,951 को नोटिस दिए गए थे। तीसरे चरण के 2,041 नोटिस मिलाकर यह संख्या 9,992 हो गई है। तीन चरणों अब तक 631 प्रतिष्ठानों की सीलिंग की कार्रवाई की गई है।

यहां पीढ़ियों से दुकानें संचालित हो रही हैं। इसके बावजूद निगम इन इलाकों में भी व्यावसायिक गतिविधियों के नाम पर सीलिंग नोटिस दे रहा है। सवाल ये है कि निगम के नगर निवेश विभाग को क्या इन पुराने कारोबारी क्षेत्रों की जानकारी नहीं है। उनका कहना है, नोटिस के बाद जवाब देने के लिए निगम कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ेंगे और कारोबार छोड़कर कार्रवाई का जवाब देना होगा।

दुकानदार बोले-हम अपराधी नहीं, फोटो क्यों खींच रहे हो?

आमतौर पर खुली दुकान पर नोटिस दुकानदार को दिया जाता है और रजिस्टर में हस्ताक्षर कराए जाते हैं। दुकान बंद मिलने पर नोटिस शटर पर चस्पा कर उसकी फोटो ली जाती है। अब खुली दुकान में भी नोटिस दुकानदार को सौंपने के बाद उसके हाथ में नोटिस लेकर फोटो खींची जा रही है। नगर निगम के जिम्मेदारों की इन हरकतों पर दुकानदारों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि नोटिस देना है तो दीजिए, लेकिन हाथ में पकड़ाकर फोटो क्यों खिंचवाई जा रही है? कई लोगों ने इसे अपमानजनक बताते हुए कहा कि पुलिस आरोपी की पहचान दर्ज करने के लिए नाम लिखी तख्ती के साथ फोटो खिंचती है। दुकानदारों का कहना है कि उनके साथ ऐसा व्यवहार क्यों। हम अपराधी तो नहीं?

निगम कमिश्नर बोले-फोटो खींचने का आदेश नहीं

नगर निगम कमिश्नर रामप्रकाश अहिरवार का कहना है कि मुझे इसकी जानकारी नहीं है। इस तरह का कोई आदेश नहीं दिया गया। हो सकता है किसी कर्मचारी ने नोटिस के साथ व्यापारी का फोटो खींचा हो। हालांकि यह बहुत बड़ा मुद्दा नहीं है। निगम सभी 21 जोनों में सीलिंग की कार्रवाई कर रहा है और एक साथ नोटिस बांटने के निर्देश दिए गए हैं।

स्तन-फेफड़े के कैंसर मरीजों की निशुल्क होगी जांच

कैंसर के इलाज के लिए बीएमएचआरसी में बनाई जाएगी डायमंड्स लैब

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कैंसर के मरीजों को अब बीमारी की प्रकृति के अनुरूप सटीक इलाज दिलाने की दिशा में भोपाल में बड़ी पहल होने जा रही है। आईसीएमआर-बीएमएचआरसी में अत्याधुनिक डायमंड्स लैब स्थापित की जाएगी। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली ने इसकी मंजूरी दे दी है। लैब शुरू होने के बाद स्तन और फेफड़ों के कैंसर के मरीजों को कई महंगी आणविक जांचों की सुविधा निशुल्क मिल सकेगी। इन जांचों से कैंसर कोशिकाओं में मौजूद विशेष बदलावों की पहचान होगी, जिसके आधार पर डॉक्टर मरीज के लिए अधिक उपयुक्त दवा और उपचार पद्धति का चयन कर सकेंगे। डायमंड्स लैब में स्तन कैंसर के मरीजों के लिए ER, PR, HERw और Ki- जैसी महत्वपूर्ण जांचें की जाएंगी। इनसे कैंसर कोशिकाओं में हार्मोन रिसेप्टर की स्थिति, HERw प्रोटीन की मौजूदगी और कोशिकाओं के बढ़ने की गति का पता चलेगा। वहीं, फेफड़ों के कैंसर के मरीजों के लिए EGFR, ALK और ROS1 जैसी आणविक जांचें उपलब्ध होंगी। इनके जरिए कैंसर कोशिकाओं में मौजूद विशेष आनुवंशिक बदलावों की पहचान की जा सकेगी। इससे डॉक्टर यह तय करने में सक्षम होंगे कि मरीज के लिए टारगेटेड थेरेपी कितनी उपयोगी हो सकती है।

हर मरीज के इलाज की रणनीति बनाने में मदद

कैंसर के सभी मरीजों पर एक जैसी दवाओं का समान असर नहीं होता। एक ही प्रकार के कैंसर से पीड़ित मरीजों की कोशिकाओं की विशेषताएं अलग हो सकती हैं। ऐसे में आणविक जांच से मिली जानकारी के आधार पर किसी मरीज को हार्मोन आधारित दवाएं, तो किसी को लक्षित उपचार देने पर विचार किया जा सकता है। बीएमएचआरसी में लैब शुरू होने से भोपाल और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को अपने शहर में ही आधुनिक जांच की सुविधा मिल सकेगी। बीएमएचआरसी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव के अनुसार, डायमंड्स स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और आईसीएमआर की पहल है। डायमंड्स लैब की स्थापना से बीएमएचआरसी की ऑन्कोलॉजी सेवाओं को मजबूती मिलेगी। यह पहल कैंसर की पहचान से आगे बढ़कर व्यक्तिगत और सटीक उपचार (प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी) की दिशा में अहम कदम साबित हो सकती है।

एडवांस फिजियोथेरैपी इन्टरवेंशन इन मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट एंड क्रॉनिक लो बैक पेन' विषय पर शोध

शोध में योगदान...नेशनल अलवर फिजियोकॉन-2026 में मिला डॉ. पाण्डेय को राष्ट्रीय सम्मान, पीएचडी की उपाधि भी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजस्थान के अलवर में आयोजित नेशनल अलवर फिजियोकॉन-2026 (सीजन-2) में मप्र के वरिष्ठ फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. सुनील पाण्डेय ने प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए बड़ी उपलब्धियाँ हासिल कीं। फिजियोथैरेपी और शोध के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें 'बेस्ट रिसर्चर अवार्ड' और स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में उन्हें मध्यप्रदेश से एथिक्स कमेटी के एक्सपर्ट पैनल में शामिल किया गया और चेयरपर्सन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी सौंपी गई। डॉ. पाण्डेय को पीएचडी की डिग्री भी प्रदान की गई। उनके शोध को शिक्षा और व्यावसायिक विकास के लिए खास माना जा रहा है।



एडवांस फिजियोथैरैपी पर शोध

डॉ. पाण्डेय ने अलवर स्थित लॉर्ड्स यूनिवर्सिटी से 'एडवांस फिजियोथैरैपी इन्टरवेंशन इन मैनेजमेंट ऑफ एक्यूट एंड क्रॉनिक लो बैक पेन' विषय पर शोध किया। उनके निर्देशक डीन प्रो. सचिन अग्रवाल रहे। मप्र में फिजियोथैरेपी के शैक्षणिक, शोध व व्यावसायिक विकास के लिए इन उपलब्धियों को अहम माना जा रहा है। संचालन में 'सेहत साथी' के संस्थापक डॉ. अविनाश सैनी (जयपुर) के समन्वय की सराहना की गई।

लांबाखेड़ा ब्रिज के पास बाइक अड़ाकर छीना नकदी से भरा बैग

इज्तिमा से पहले कारोबारी से 4 बदमाशों ने लूटे 17.90 लाख

भोपाल। दोपहर मेट्रो

इज्तिमा को लेकर पुलिस सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के दावे कर रही है, लेकिन इससे पहले ही नकाबपोशों ने चुनौती दी है। बैरसिया रोड पर लांबाखेड़ा ब्रिज के पास सुबह दो बाइक पर आए चार नकाबपोश बदमाशों ने बकरा कारोबारी को घेरकर 17.90 लाख रुपए लूट लिए। कारोबारी शुजालपुर के राजगढ़ पशु मेले में बकरे खरीदने जा रहा था। बदमाशों ने उसकी बाइक के आगे अपनी बाइकें अड़ाकर रास्ता रोका और नकदी से भरा बैग छीनकर नेशनल हाईवे की तरफ भाग निकले।

ईंटखेड़ी थाना प्रभारी आशीष सप्रे के मुताबिक, 40 वर्षीय मुबीन खान निशातपुरा थाना क्षेत्र के देवकीनगर में रहते हैं। पशु खरीद कर दक्षिण भारत के कई शहरों में भेजते हैं। मंगलवार को पशु मेले में बकरे खरीदने जाना था। इसके लिए वह नकद लेकर बाइक से निकले थे। लांबाखेड़ा ब्रिज के पास चार नकाबपोश बदमाश पहुंचे। दो बदमाश बाइक से उतरे और नकदी से भरा बैग झपटकर ले गए।

मेट्रो एंकर | **इंटरनेशनल टॉयलेट डे आजः स्वच्छता सर्वेक्षण में सामने आई हकीकत**

413 वर्ग किलोमीटर में फैले शहर की आबादी 26 लाख, जरूरत 1800 यूरिनल और 600 पब्लिक टॉयलेट की, अभी आधे भी नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आज इंटरनेशनल टॉयलेट डे है। लिहाजा हमने शहर में कम्यूनिटी, पब्लिक टॉयलेट के साथ यूरीनल की मौजूदा स्थिति को जाना। मालूम हुआ कि इसमें शहर तंगहाल है। 26 लाख आबादी और 413.5 वर्ग किमी में फैले शहर में 1800 यूरिनल 600 पब्लिक टॉयलेट की उपलब्धता आधी भी नहीं है। स्वच्छता सर्वेक्षण का रिजल्ट बताता है कि 826 सामुदायिक शौचालय शहर में हैं। इनमें 758 में सुधार किया, 68 अधूरे हैं। 107 पब्लिक टॉयलेट में से 13 को सुधार की जरूरत है।



माला पहना कर रहा अपमानित

सुविधाएं देने के बजाय नगर निगम लगातार जुर्माना लगा रहा है। लोगों को बेइज्जत कर रहा है। हाल ही में ऐसे कई मामले आए जब लोगों पर 100-100 रुपए जुर्माना लगाया। माला पहनाया।

निगम के रिकॉर्ड में 400 यूरिनल, जमीन से 90 फीसदी गायब

कागज पर संख्या बड़ी दिखाई देती है, लेकिन असली सवाल उपलब्धता, सफाई और उपयोग का है। बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर टॉयलेट के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। यूरिनल की कहानी और भी खराब है। निगम के रिकॉर्ड में करीब 400 यूरिनल दर्ज हैं, लेकिन इनमें से 90 फीसदी तो जमीन से ही गायब हो चुके हैं। यानी जिन बाजारों और जगहों पर राहगीरों, दुकानदारों और बाजार आने वाले लोगों की तत्काल जरूरत पूरी होनी थी, वहां अब सुविधा ही नहीं है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है।

पब्लिक टॉयलेट..70 जगह निर्माण शुरू, 30 प्रस्ताव ही रद्द

अमृत 2.0 के तहत 160 नए पब्लिक टॉयलेट बनाने की योजना है। 106 स्थानों पर प्रक्रिया आगे बढ़ी और करीब 70 जगह निर्माण शुरू हुआ। जमीन, रहवासियों की आपत्ति और विवादों के कारण कई प्रस्ताव अटक गए। 30 प्रस्ताव रद्द होने और चार मामले अदालत तक पहुंचने की जानकारी भी सामने आई है। 10 नंबर मार्केट का पब्लिक टॉयलेट बताता है कि शहर में सार्वजनिक सुविधा की जरूरत कितनी ज्यादा है। यहां रोजाना करीब 500 से 1000 लोग शौचालय और यूरिनल का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में अंदाजा लगाया जा सकता है कि पूरे शहर के बाजारों, मुख्य सड़कों, बस स्टैंड और दूसरे भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुविधाओं पर कितना दबाव होगा।
सुविधाएं पूरी करने के बजाय नगर निगम का अमला लोगों से जुर्माना वसूलने में लगा है। वार्ड 50 में अंसल अपार्टमेंट के पास युवक खुले में पेशाब करते हुए पकड़ा गया। निगम की टीम ने 100 रुपए जुर्माना कर माला पहनाकर सम्मानित किया। कसम खिलवाई की अब कभी खुले में पेशाब नहीं करेगा। इसके बाद युवक का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

कमला नगर पुलिस कर रही तलाश

जज पर प्रताड़ित करने का आरोप लगा चपरासी 55 दिनों से गायब

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल जिला अदालत में पदस्थ रहे 48 वर्षीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कैलाश चंद्र साहू पिछले 55 दिनों से लापता हैं। उनके स्वजनों ने एक जज दंपती पर घर और दफ्तर का काम करवाने और प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। स्वजनों को आशंका है कि लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर कैलाश कोई आत्मघाती कदम उठा सकते हैं। परिजनों ने जिला जज से शिकायत कर मामले की जांच कराने की मांग की है। कमलानगर पुलिस उनकी तलाश कर रही है। कैलाश चंद्र मूलतः रायसेन जिले के रहने वाले हैं। नया बसेरा, कोटरा में रहते हैं। वे भोपाल कोर्ट में जज के प्यून थे। उनकी दूसरी पत्नी सिवनी में रहती हैं, जबकि दोनों बेटे संजय और रितेश भोपाल में किराये के मकान में रहते हैं। वह 24 सितंबर को घर से निकले, वापस नहीं लौटे।



सुबह से शाम तक काम कराने का आरोप

कैलाश के भाई प्रेम साहू का आरोप है कि जज दंपती उनसे सुबह सात बजे से रात दस बजे तक अपने घर का काम करवाते थे। इसके अलावा उन्हें कार्यालय का काम भी करना पड़ता था। इस प्रताड़ना की कई बार शिकायत की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

भोपाल-मंदसौर से भोपाल-ग्वालियर तक जुड़ेंगे नए फोरलेन मार्ग

63,296 करोड़ से बनेंगे पांच ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, 1398 किमी लंबी होंगी सड़कें

प्रमुख शहरों, औद्योगिक क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों के बीच आवागमन होगा आसान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में सड़क कनेक्टिविटी को नई रफ्तार देने के लिए राज्य सरकार 63,296 करोड़ रुपये की लागत से पांच बड़े ग्रीनफील्ड कॉरिडोर विकसित करेगी। इनकी कुल लंबाई 1,398 किलोमीटर होगी। सभी मार्ग चार लेन और एक्सेस कंट्रोल्ड बनाए जाएंगे। इनमें पेव्ड शोल्डर की सुविधा भी रहेगी। इन परियोजनाओं से प्रदेश के प्रमुख शहरों, औद्योगिक क्षेत्रों और पर्यटन स्थलों के बीच आवागमन आसान होगा। साथ ही यात्रा का समय और परिवहन लागत कम होने से व्यापार एवं उद्योगों को भी लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गांधीसागर में आयोजित कैबिनेट बैठक से पहले मंत्रियों को प्रदेश की सड़क परियोजनाओं सहित केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न उपलब्धियों की जानकारी दी।



नियंत्रित प्रवेश वाली सड़कों से यातायात होगा सुगम

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रस्तावित पांच ग्रीनफील्ड कॉरिडोर में भोपाल से मंदसौर तक 258 किलोमीटर, सागर से सतना तक 227 किलोमीटर, जबलपुर से आशापुर तक 358 किलोमीटर, भोपाल से ग्वालियर तक 320 किलोमीटर और कटनी से सिंगरौली तक 235 किलोमीटर लंबे मार्ग शामिल हैं। इन सभी मार्गों को आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किया जाएगा। चार लेन और नियंत्रित प्रवेश वाली सड़कें होने से यातायात सुगम होगा। इन कॉरिडोर से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों के बीच सीधा संपर्क बेहतर होगा और औद्योगिक, व्यापारिक तथा पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

प्रदेश को मिले नौ राष्ट्रीय पुरस्कार

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश स्वच्छता के क्षेत्र में देश के लिए उदाहरण बन रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के राष्ट्रीय पुरस्कारों में प्रदेश को नौ पुरस्कार मिले हैं। यह किसी एक राज्य को मिले सर्वाधिक पुरस्कार हैं। प्रदेश के उज्जैन, ग्वालियर, देपालपुर, देवास, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सागर और बुधनी नगरीय निकायों को स्वच्छता के लिए पुरस्कृत किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि का श्रेय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सफाई मित्रों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों को देते हुए प्रदेशवासियों को बधाई दी।

फोरलेन से धार्मिक पर्यटन को मिलेगी गति

मुख्यमंत्री ने कहा कि नलखेड़ा स्थित मां बगलामुखी मंदिर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है। यहां श्रद्धालुओं की सुविधा और आवागमन बेहतर बनाने के लिए नलखेड़ा-बगलामुखी फोरलेन मार्ग का निर्माण महत्वपूर्ण है। इससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को प्रदेश के आर्थिक और पर्यटन विकास में सहायक सड़क परियोजनाओं की जानकारी भी दी।

मुख्य चुनाव आयुक्त पर दिग्गी हमला

वोट चोरी से राम मंदिर जमीन सौदे तक खड़े किए बड़े सवाल!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

अशोकनगर जिले के चंदेरी में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्तज्ञानेश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए। अपनी सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा के दौरान आयोजित जनसभा में उन्होंने ज्ञानेश कुमार को वोट चोरी के साथ राम मंदिर निर्माण के चढ़ावा चोरी मामले से भी जोड़ते हुए निशाना साधा। दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि ज्ञानेश कुमार राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी थे और जमीन खरीद में कथित अनियमितताओं का मामला सामने आने से तीन दिन पहले उन्होंने ट्रस्टी पद छोड़ दिया था। दिग्विजय सिंह ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की जमीन खरीद का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि एक जमीन को पहले 2 करोड़ रुपए (एक अन्य संदर्भ में 9 करोड़ रुपए) में खरीदा गया और अगले ही दिन मंदिर ट्रस्ट ने उसे 18 करोड़ रुपए में खरीद



लिया। उन्होंने सवाल किया कि जमीन की कीमत एक दिन में इतनी कैसे बढ़ गई। सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने भी इस मामले को प्रमाणों के साथ उठाया था।

उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित एसआईटी ने भी जमीन खरीद में कथित गड़बड़ी पकड़ी थी, लेकिन अब तक उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि मामले में विश्व हिंदू परिषद और आरएसएस से जुड़े लोगों के नाम आने के कारण केंद्र सरकार इस पर कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी इस मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया।

4500 संविदा कर्मचारियों की उम्मीदों पर फिरा पानी

भोपाल। मध्यप्रदेश के ऊर्जा विभाग ने साढ़े चार हजार से अधिक संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के लिए शुरू की गई योजना से ही इनकार कर दिया है। पहले विभाग ने 24 जुलाई 2026 को संविदा कर्मचारियों को समकक्ष नियमित पदों पर नवीन नियुक्ति देने की योजना शुरू करने के लिए आदेश जारी किया और बाद में परीक्षा ही नहीं कराई। अब सूचना के अधिकार के तहत जानकारी मांगने पर विभाग ने ऐसी किसी योजना की जानकारी होने से ही इनकार कर दिया है। ऊर्जा विभाग द्वारा इस योजना को तीन महीने के लिए लागू करने के फैसले के बाद संविदा कर्मचारी विभागीय परीक्षा का इंतजार कर रहे थे, ताकि नियमितीकरण की प्रक्रिया का लाभ पा सकें, लेकिन 31 अक्टूबर 2026 की तय समय-सीमा के भीतर विभाग ने परीक्षा कराने के लिए न तो टाइम टेबल जारी किया और न ही विज्ञापन निकाला। इस योजना को लेकर ग्वालियर निवासी कोमल श्रीवास ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत 24 अक्टूबर 2026 को आवेदन देकर ऊर्जा विभाग के 24 जुलाई के पत्र के संबंध में जानकारी मांगी थी।

देश में ऐसापहली बार

एमपी-यूपी ने मिलकर खरीदी 500 मेगावाट बिजली भंडारण क्षमता

भोपाल। बिजली की बढ़ती मांग और ऊर्जा भंडारण की जरूरतों के बीच मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश ने देश में पहली बार ऐसी पहल की है, जिसमें दो राज्यों ने अपनी अलग-अलग मौसमी बिजली जरूरतों के आधार पर पम्प्ड स्टोरेज क्षमता का संयुक्त क्रय किया है। इस व्यवस्था के तहत दोनों राज्यों ने मिलकर 500 मेगावाट पम्प्ड स्टोरेज परियोजना क्षमता खरीदने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने उत्तरप्रदेश के साथ प्रतिस्पर्धात्मक ई-रिवर्स ऑक्शन के माध्यम से यह प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की है। इस मॉडल से दोनों राज्यों को ऊर्जा भंडारण की लागत साझा करने के साथ अतिरिक्त पूंजीगत निवेश से बचने और बिजली खरीद का खर्च कम करने में मदद मिलेगी। इस संयुक्त व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत दोनों राज्यों की अलग-अलग मौसम में बिजली की मांग का बेहतर उपयोग करना है।

नहीं सुधरी खाद्य जांच की व्यवस्था

इंदौर-ग्वालियर और जबलपुर की प्रयोगशालाएं अब तक शुरू नहीं

इंदौर। प्रदेश में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और मिलावट की जांच के लिए प्रयोगशाला व्यवस्था मजबूत करने की योजना आठ साल बाद भी जमीन पर पूरी तरह से नहीं उतर सकी है। इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में खाद्य एवं औषधि परीक्षण प्रयोगशालाएं शुरू करने की प्रक्रिया अब तक पूरी नहीं हुई है। नतीजा यह है कि खाद्य पदार्थों के नमूनों की जांच के लिए भोपाल की प्रयोगशाला पर निर्भरता बनी हुई है। इससे जांच और रिपोर्ट मिलने की प्रक्रिया प्रभावित होती है। हाई कोर्ट में आश्वासन के बावजूद अधूरी रही समय-सीमा इंदौर के तलावली चांदा में वर्ष 2017 में प्रयोगशाला का निर्माण शुरू हुआ था। दो साल में इसे शुरू करने का दावा किया गया, लेकिन निर्माण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में देरी होती रही। मामला हाई कोर्ट पहुंचा तो शासन ने फरवरी 2022 में दिसंबर 2022 तक लैब शुरू करने का आश्वासन दिया था। कोर्ट ने इसी आधार पर जनहित याचिका का निराकरण कर दिया था।



पाकिस्तान की दगाबाजी समझे अमेरिका !

ईरानियों संग मिलकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन और संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली की हत्या की साजिश रचने के आरोप में एक पाकिस्तानी बिजनेसमैन आसिफ मर्चेंट को अमेरिका में 27 साल से ज्यादा की जेल की सजा सुनाई गई है। आरोप है कि ईरान के रिवो-ल्यूशनरी गार्ड ने उसे इस साजिश में शामिल किया। मर्चेंट ने एक व्यक्ति से संपर्क किया और 5,000 अमेरिकी डॉलर यह समझ कर दिए कि वह भाड़े का हत्यारा है और उसकी चाहत के अनुरूप काम करेगा। मगर हुआ यह कि पैसा लेने वाला व्यक्ति भाड़े का हत्यारा नहीं था बल्कि वह फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन का व्यक्ति था। यहीं से वह पकड़ में आ गया। हालांकि उसे समझ में आ गया था कि स्थितियां अनुकूल नहीं हैं इसलिए वह अमेरिका से फरार होने के चक्कर में था लेकिन फरार नहीं हो पाया। इस मामले की सुनवाई के लिए ट्रम्प ने अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज एरिक कोमिटी को नियुक्त किया। जज ने कहा कि किसी सरकारी अधिकारी की सुनियोजित हत्या से अधिक गंभीर आरोप शायद ही कोई हो सकता है। मर्चेंट ने न्यायालय में कहा था कि उसने रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक ऑपरेटिव के निर्देशों का पालन सिर्फ इसलिए किया, क्योंकि उसे ईरान में अपने रिश्तेदारों की सुरक्षा की चिंता थी। उसे उम्मीद थी कि अमेरिकी अधिकारी इस साजिश को रोक लेंगे और फिर वह उनके साथ सहयोग कर सकेगा। मगर न्यायालय ने उसकी बात नहीं मानी। उसे सजा मिल गई है लेकिन असली सवाल तो यह है कि क्या इस संबंध में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों को कुछ भी पता नहीं था? संभव है कि पता नहीं होगा लेकिन यह भी तो संभव है कि आईएसआई और पाक सेना ईरान के साथ मिलकर कुछ साजिश रच रही हो ! यह आशंका इसलिए उत्पन्न होती है क्योंकि पाकिस्तान का पुराना इतिहास यही रहा है कि वह एक साथ दो नावों की सवारी करता है। वह अमेरिका को यह झांसा देता है कि जो कुछ भी कर रहा है उससे अमेरिका को फायदा होगा लेकिन उसी वक्त वह दूसरे पक्ष के साथ भी जुड़ा हुआ रहता है। अफगानिस्तान में यह बात अमेरिकी ने खुद देखी है। तालिबान से लड़ाई के लिए वह करोड़ों-अरबों डॉलर अमेरिका से लेता रहा लेकिन दूसरी ओर तालिबान की मदद भी करता रहा। यदि ऐसा नहीं होता तो क्या ओसामा बिन लादेन एबटाबाद में छिपा होता ! निश्चय ही अमेरिका को भी पाकिस्तान की दगाबाजी का एहसास हो रहा होगा इसलिए लादेन को मारने के पहले उसने पाकिस्तान को कोई सूचना नहीं दी। अब चीन और पाकिस्तान के बीच पाकिस्तान दगाबाजी का ही खेल दिखा रहा है लेकिन आश्चर्यजनक है कि दोनों ही देश उसकी मदद कर रहे हैं। क्या उन्हें ये दगाबाजी समझ में नहीं आ रही है?

देवभूमि उत्तराखंड में देर से मनाई जाती है पर्वतीय मूल के लोगों की असली दीपावली

डॉ. श्रीगोपाल नारसन
स्तंभकार



देवभूमि उत्तराखंड व हिमाचल के पर्वतीय इलाकों को छोड़कर शायद ही किसी ने इगास के बारे में सुना होगा। आजकल के पर्वतीय मूल के बच्चों को भी इगास का पता नहीं है कि इगास नाम का कोई त्योहार भी होता है, ।

पर्वतीय मूल के लोगो की असली दीपावली इगास ही है, जो दीपोत्सव के ठीक ग्यारह दिन बाद ओर कही कही एक माह बाद मनाई जाती है।दीपोत्सव को इतनी देर से मनाने के दो कारण हैं पहला कारण भगवान श्रीराम के अयोध्या वापस आने की खबर सूदूर पहाडी निवासीयों को ग्यारह दिन बाद कहीं कहीं एक माह बाद मिली, और उन्होंने उस दिन को ही दीपोत्सव के रूप में हर्षोल्लास से मनाने का निश्चय किया, बाद में पहाड़ में भी छोटी दीपावली से लेकर गोवर्धन पूजा व भैयादूज तक सब पर्वो को मनाया जाने लगा, लेकिन अपनी परंपरा के मुताबिक ग्यारह दिन या फिर एक माह बाद की उस दीवाली को पहाड़ के लोगो ने मनाना नहीं छोड़ा।



पहाडों में दीपावली को लोग दीये जलाते हैं, गौ पूजन करते हैं, अपने ईष्ट कुलदेवी कुलदेवता की पूजा करते हैं। नयी उडद की दाल के पकौड़े बनाते हैं और गहत की दाल के स्वांले (दाल से भरी पुड़ी) बूढ़ी दीपावली का खास व्यंजन है। दीपावली और इगास की शाम को सूर्यास्त होते ही औजी हर घर के द्वार पर ढोल दमाऊ के साथ बड्ई (एक तरह की ढोल विधा) बजाते हैं, फिर लोग पूजा शुरू करते हैं, पूजा समाप्ति के बाद सब लोग ढोल दमाऊ के साथ कुलदेवी या देवता के मंदिर जाते हैं वहां पर मंडाण (पहाडी नृत्य) नाचते हैं, चीड़ की राल और बेल से बने भैला (एक तरह की मशाल) खेलते हैं, रात के बारह बजते ही सब घरों से इकट्ठा किया गया सतनाजा (सात प्रकार का अनाज)जिसे गांव की चारो दिशा की सीमाओं पर रखते हैं, इस सीमा को दिशाबंधनी कहा जाता है। ये सतनाजा मां काली को भेंट होता है। इगास मनाने का दूसरा कारण है गढवाल नरेश महिपति शाह के सेनापति वीर माधोसिंह गढवाल तिब्बत युद्ध में गढवाल की सेना का नेतृत्व कर रहे थे, गढवाल सेना युद्ध जीत चुकी थी लेकिन माधोसिंह सेना की एक छोटी टुकडी के साथ मुख्य सेना से अलग होकर भटक गये, सबने उन्हें वीरगति को प्राप्त मान लिया लेकिन वो जब वापस आये तो सबने उनका स्वागत बडे जोरशोर से किया ,ये दिन दीपोत्सव के ग्यारह दिन बाद का दिन था,इसलिए इस दिन को भी दीपोत्सव जैसा मनाया गया। उस युद्ध में माधोसिंह गढवाल - तिब्बत की सीमा तय कर चुके थे जो वर्तमान में भारत- तिब्बत सीमा है ।

पहाडी इगास लुप्त होने वाले त्यौहारों की श्रेणी में है, इसका मुख्य कारण बढता बाजारवाद, क्षेत्रिय लोगों की उदासीनता और पलायन है,।

इस त्यौहार को बूढ़ दवैली, बूढ़ी दिआऊड़ी, दयाउली भी कहा जाता है। इस पारम्परिक आयोजन से जुड़ी किवदंतियां महाभारत व रामायण युग से सम्बन्धित हैं। पहाड़ी इलाकों में श्रीराम के अयोध्या लौटने की खबर देर से पहुंची और तब तक पूरा देश दीवाली मना चुका था फिर भी पहाड़ी निवासियों ने दीपोत्सव मनाया जिसका नाम पड़ गया बूढ़ी दीवाली पड़ गया।

बूढ़ी दिवाली आयोजनों में अभिमन्यु के चक्रव्यूह भेदने के दृश्य को खास अंदाज में मंचित किया जाता है। अखाड़े में लोग रस्सियों का एक घेरा बना उसे थामे रहते हैं। बीच में एक व्यक्ति हाथ में लाठी थामे रहता है। निश्चित समय पर संकेत से रस्सी का घेरा तंग किया जाता है बीच में खड़े अभिमन्यु को जकड़ने की कोशिश की जाती है वह घेरा तोड़ने का प्रयास करता है और सफल होकर दिखाता है। यह क्रिया कई बार दोहराई जाती है। इस चक्रव्यूहिक आयोजन में लोग कई बार जख्मी हो जाते हैं। मगर उल्लास और उमंग के वातावरण में कोई परवाह नहीं करता। इससे पहले अमावस की संध्या को टूटी लकड़ियाँ इक्कट्ठी की जाती हैं व मेला स्थल दशनामी में रात्रि की पूवार्ध में पूजन कर उनमें आग लगा दी जाती है। लोग गाते हुए 'पांडव नृत्य' करते हैं। मध्य रात्रि को पांडव कौरव संघर्ष अभिनीत किया जाता है, कौरव पांडवों पर आक्रमण करते हैं, पांडव डटकर मुकाबला कर जीतते हैं फिर जश्न होता है। पूरी रात विजयोल्लास में परिवर्तित हो जाती हैं।

सिरमौर में मूल दीवाली के दिनों में ग्रामीण क्षेत्रों में काम की अधिकता होती है। यहां इन दिनों घासनियों (घास उगाने वाली जगहें) से सर्दी के लिए घास काटकर रखना होता है। मक्की की कटाई, अरबी निकाली जा रही होती है। अदरक निकाल कर बाजार पहुंचाना होता है। ऐसे अस्तव्यस्त समय के बीच दीवाली मनाने की फुरसत नहीं मिलती, इसलिए बाद में बूढ़ी दीवाली मनाई जाती है। बूढ़ी दीवाली के पहले दिन मक्की के सूखे टांडों को जलाया जाता है। ढोल करनाल, दुमालू के लोकसंगीत में गूँथी शिरगुल देव की गाथा गाई जाती है। कार्यक्रम देर रात तक चलता है। अमावस्या के मौके पर दीवाली का मुख्य नृत्य 'बूढ़ा नृत्य' होता है। हुड़क बजाते हैं। शाम को सूखी लकड़ी एकत्र कर जलाई जाती है। अगले दिन पड़वा को देव पूजा होती है। बूढ़ी दीवाली के दिन उड़द भिगोकर फिर उसे पीसकर, नमक मसाले मिलाकर आटे के गोले के बीच भरकर पहले तवे पर रोटी की तरह सेंका जाता है फिर सरसों के तेल में फ्राई कर देसी घी के साथ खाया जाता है। मूड़ा, मक्की भूनकर व धान को नमक के पानी में कई दिन भिगोकर, छिलका अलग कर भूनकर, कूटकर चिवड़ा बनाकर खाया खिलाया जाता है। इन पहाड़ी खानों का अपना विशिष्ट स्वाद होता है। कई स्थानों पर दीवाली को मंगशराली भी कहते हैं। पुरेटुआ का गीत गाना इस अवसर पर जरूरी समझा जाता है। जिसमें वर्णित है कि त्योहार के मौके पर घर पर ही रहना चाहिए। पुरेटुआ ने अपनी वीरता के अभिमान में ऐसा किया और मारा गया। सिरमौर में कई जगह दिन में सिरमौरी लोक नाट्य सांग और स्वांग का आयोजन भी होता है। उत्सव के दौरान हर शाम सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मची रहती है। आग जलाकर चारों तरफ बैठकर लोक नृत्य 'नाटी' का रंग जमता है। खलियानों में रखे कृषियंत्रों पर दीपक जलाए जाते हैं। पारम्परिक लोक गीत गाए जाते हैं। इस दीवाली को क्षेत्र में पुरानी या बूढ़ी दीवाली के नाम से जाना जाता है। इस दिन पहाड़ी उत्पाद झंगोरे से तैयार विशेष पकवान मेहमानों को परोसे जाते हैं। इसके बाद दूसरे दिन रात्रि में मुख्य होलियात खेली जाती है, और ग्रामीण लगभग आधी रात तक अपनी लोक संस्कृति पर आधारित लोकगीतों व लोकनृत्यों पर थिरकते हुए पर्व का जश्न मनाते हैं। तीसरे दिन भिरुड़ी का आयोजन होगा। जिसमें अंतिम होलियात खेली जाएगी। चौथे दिन मुख्य भांड़ का आयोजन होता है और पांचवें दिन गावों में पांडव नृत्य के साथ पर्व को विदाई दी जाएगी। पर्व को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह बना हुआ है। दूरदराज के इलाकाकों में नौकरी कर रहे लोगों ने भी पर्व को लेकर घरों को आना शुरू कर दिया है। उत्तराखंड सरकार ने इस दिन सार्वजनिक अवकाश भी घोषित किया हुआ है।

भारत की सियासत में आरोप नहीं प्रमाण की जरूरत, जन मुद्दों पर रहे राजनीति

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार



भारतीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनो की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार के कामकाज पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, बल्कि उसकी जिम्मेदारी भी है। लेकिन सवाल उठाने और आरोप लगाने के बीच एक बड़ा अंतर होता है। किसी भी राजनीतिक दल को जनता के सामने अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है, मगर उस बात के समर्थन में ठोस प्रमाण भी होने चाहिए। केवल भाषणों, नारों और आरोपों से न तो लोकतंत्र मजबूत होता है और न ही जनता का विश्वास जीता जा सकता है। कांग्रेस और राहुल गांधी के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे अपनी राजनीति को आरोपों से निकालकर तथ्यों और जनहित के मुद्दों तक लेकर आएं।

हाल ही में हैदराबाद में आयोजित कांग्रेस के भारत समिट ने एक बार फिर देश की राजनीति में बहस छेड़ दी है। इस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने चुनावी व्यवस्था, लोकतांत्रिक संस्थाओं और वर्ष 2014 के बाद की राजनीति पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 2014 में भारत में लोकतंत्र को नष्ट कर दिया गया था। उनका यह भी कहना था कि राजनीतिक व्यवस्था में भारी मात्रा में पैसा लगाया गया और विपक्ष उस समय सदमे में था। उन्होंने सत्य और अहिंसा को कांग्रेस के दो प्रमुख हथियार बताते हुए वर्तमान, भूतकाल और भविष्य की लड़ाई लड़ने की बात कही। लोकतंत्र में राहुल गांधी को अपनी बात रखने का अधिकार है, लेकिन जब कोई नेता देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर इतना गंभीर आरोप लगाता है तो उससे अपेक्षा होती है कि वह जनता के सामने ठोस प्रमाण भी रखे। केवल यह कह देना कि लोकतंत्र खत्म हो गया है, पर्याप्त नहीं है। यदि चुनावी व्यवस्था में गड़बड़ी है तो उसका विवरण, तथ्य और प्रमाण सामने आने चाहिए। जनता को भी यह समझना जरूरी है कि आरोप राजनीतिक भाषण का हिस्सा हैं या वास्तव में किसी गंभीर अनियमितता का प्रमाण।



भारत समिट में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों की मौजूदगी को लेकर भी भाजपा नेताओं ने सवाल उठाए। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पूछा कि कांग्रेस ऐसे लोगों को अपने राजनीतिक मंच पर क्यों जगह दे रही है, जिनके संबंध जॉर्ज सोरोस समर्थित ओपन सोसायटी नेटवर्क और एमनेस्टी इंटरनेशनल से जुड़े बताए जाते हैं। उन्होंने इक्वाडोर के पूर्व मंत्री गुइलेर्मो लांग और एमनेस्टी इंटरनेशनल के पूर्व महासचिव सलिल शेट्टी का उल्लेख करते हुए उनकी पृष्ठभूमि और भारत से जुड़े पुराने बयानों पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि इन लोगों को मंच देने के पीछे उसका उद्देश्य क्या है।

भाजपा नेता सीआर केसवन ने भी सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस के प्रायोजित भारत समिट में राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने देश तथा लोकतंत्र के बारे में अपमानजनक बातें कहीं। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल कुछ विदेशी प्रतिनिधियों की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाए।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इटली के नेता जियाकोमो फिलिबेक के भाषण का वीडियो सामने आने के बाद राहुल गांधी पर निशाना साधा। फिलिबेक ने अपने भाषण में कांग्रेस का नारा वोट चोर गद्दी छोड़ लगाया था। वीडियो में राहुल गांधी तालियां बजाते दिखाई दिए। इस पर रिजिजू ने सवाल किया कि जब कोई विदेशी व्यक्ति भारत का अपमान करता है तो उस समय कौन हंसता है?

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने भी विदेशी प्रतिनिधियों के सामने देश के आंतरिक राजनीतिक मुद्दे उठाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने मतदाता सूची से नाम हटाने के राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि मृत व्यक्तियों, दोहरे मतदाताओं और स्थायी रूप से दूसरी जगह जा चुके लोगों के नाम हटाना आवश्यक है। मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है। यदि किसी वास्तविक मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया गया है तो उसकी जांच होनी चाहिए, लेकिन पूरी प्रक्रिया को ही गलत बताना उचित नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पुणे में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास की नई दिशा पकड़ी है और उन पर भ्रष्टाचार का कोई ठोस आरोप साबित नहीं हुआ है। कांग्रेस के लिए इन राजनीतिक सवालों में एक बड़ी सीख छिपी है। जनता केवल भाषण सुनकर अपना निर्णय नहीं करती। वह सरकार के काम, नेताओं के व्यवहार और उनके दावों की सच्चाई भी देखती है। आज का युवा, विशेषकर नई पीढ़ी, रोजगार, शिक्षा, तकनीक, अवसर और देश के भविष्य को लेकर गंभीर है। वह केवल राजनीतिक नारे नहीं सुनना चाहता, बल्कि यह जानना चाहता है कि उसके जीवन में सुधार के लिए कौन क्या कर रहा है। यदि राजनीति का केंद्र केवल विरोध और आरोप बन जाएगा तो युवा उससे दूरी बना सकता है। राहुल गांधी को यह समझना होगा कि सरकार का विरोध करते-करते देश की छवि को नुकसान पहुंचाने वाली भाषा से बचना भी उतना ही जरूरी है। देश की कमियों पर सवाल उठाना देशविरोध नहीं है, लेकिन आलोचना तथ्यों और जिम्मेदारी के साथ होनी चाहिए।

कांग्रेस का जनाधार कमजोर होने के पीछे भी आत्ममंथन की आवश्यकता है। पार्टी को यह देखना होगा कि जनता उससे क्यों दूर हो रही है। केवल भाजपा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सरकार को निशाना बनाने से राजनीतिक भविष्य नहीं बन सकता। देश की जनता को विकास, सुरक्षा, रोजगार, सामाजिक सद्भाव और मजबूत नेतृत्व चाहिए।

राजनीति में विरोध होना चाहिए, लेकिन विरोध का उद्देश्य देश को कमजोर करना नहीं, बल्कि व्यवस्था को बेहतर बनाना होना चाहिए। भारत की जनता ने हमेशा उन नेताओं को महत्व दिया है जो कठिन परिस्थितियों में उसके साथ खड़े रहे, गांवों तक पहुंचे और विकास के लिए काम किया। जनता से जुड़ने वाला नेता ही उसकी अपेक्षाओं को समझ सकता है। सत्ता का रास्ता विदेशी मंचों पर भाषण देने या केवल नैरेटिव बनाने से नहीं, बल्कि देश के करोड़ों लोगों का विश्वास जीतने से निकलता है। लोकतंत्र में अंतिम फैसला जनता करती है और जनता के फैसले का सम्मान करना ही सच्ची लोकतांत्रिक भावना है।

हेल्थ अपडेट

वायरल फीवर की दवा से नहीं उतर रहा बुखार?.. हो सकता है स्क्रब टाइफस

तेज बुखार, सिरदर्द, ठंड लगना और बदन दर्द को अक्सर सामान्य वायरल संक्रमण मान लिया जाता है। लेकिन यदि दवा लेने के बावजूद बुखार कम नहीं हो रहा है या कई दिनों तक बना हुआ है, तो सावधान होने की जरूरत है। यह स्क्रब टाइफस नामक बैक्टीरियल संक्रमण भी हो सकता है। इसकी शुरुआती पहचान मुश्किल होती है, क्योंकि इसके लक्षण सामान्य वायरल फीवर जैसे ही दिखाई देते हैं। समय पर इलाज नहीं मिलने पर यह संक्रमण फेफड़ों, किडनी, लिवर और दिमाग तक को प्रभावित कर सकता है।



स्क्रब टाइफस संक्रमित छोटे माइट्स यानी चिग्गर्स के लार्वा के काटने से फैलता है। ये बेहद छोटे जीव झाड़ियों, लंबी घास, खेतों, बगीचों और जंगलों में पाए जाते हैं। इनके काटने से ओरिएंटिया त्सुत्सुगामुशी नामक बैक्टीरिया शरीर में प्रवेश कर जाता है। संक्रमण के लगभग 7 से 10 दिन बाद इसके लक्षण सामने आ सकते हैं। इस बीमारी में अचानक तेज बुखार आना प्रमुख लक्षण है। इसके साथ सिरदर्द, ठंड लगना, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द तथा अत्यधिक कमजोरी महसूस हो सकती है।

स्क्रब टाइफस की एक खास पहचान एस्चर (Eschar) है। यह संक्रमित माइट के काटने वाली जगह पर बनने वाला घाव होता है। शुरुआत में यह छोटे छाले जैसा दिखाई दे सकता है, लेकिन बाद में इसके बीच में काली पपड़ी बन जाती है। इसके आसपास लालिमा हो सकती है। खास बात यह है कि यह घाव अक्सर दर्दरहित होता है। यह निशान शरीर के ऐसे हिस्सों में भी हो सकता है, जहां आसानी से नजर नहीं जाती। स्क्रब टाइफस का पता लगाने के लिए डॉक्टर मरीज के लक्षणों, संक्रमण वाले स्थानों पर जाने के इतिहास और जरूरत के अनुसार रक्त जांच की सलाह दे सकते हैं। इसमें एंटीबायोटिक दवाओं से इलाज किया जाता है। सही दवा और उसकी अवधि डॉक्टर ही तय करते हैं।

खुद से एंटीबायोटिक लेना नुकसानदायक हो सकता है। इलाज में देरी होने पर निमोनिया, किडनी और लिवर संबंधी परेशानी, मस्तिष्क में सूजन और दूसरे गंभीर संक्रमण हो सकते हैं। सांस फूलना, भ्रम की स्थिति, अत्यधिक कमजोरी या पेशाब कम होना जैसे संकेत मिलें तो तत्काल अस्पताल पहुंचना चाहिए।

निशाना

याद है मुझको तुम्हें क्या याद है.....



धर्मराज देशराज

दिल की मेरे बस यही रुदाद है
आंख में आंसू हैं दिल नाशाद है।

जब से दिल में आपको बैठा लिया
शाद है दिल और कुछ नाशाद है।

ये जहां तन्हां भले कहता रहे
दर्दो-ग़म से दिल मेरा आबाद है।

आंख से आंसू हमारे पोछ मत
चीज ये ही इश्क की बुनियाद है।

वो घरोंदे वो ठिठोली वो मज़े
याद है मुझको तुम्हें क्या याद है।

दर्दो -ग़म के ले रहा यारों मज़ा
कह रहे नादां 'धरम' बर्बाद है।

वायरल कंटेंट

91 की उम्र में बनवाया पहला पासपोर्ट, पोते के साथ सातों महाद्वीपों की सैर

उम्र के जिस पड़ाव पर लोग घर से निकलने में भी कई बार संकोच करने लगते हैं, वहां अमेरिका की एक दादी ने पूरी दुनिया घूमने का सपना पूरा कर दिखाया। 96 साल की जॉय ryan, जिन्हें लोग प्यार से 'ग्रैंडमा जॉय' कहते हैं, ने अपने पोते ब्रैड ryan के साथ दुनिया के सातों महाद्वीपों की यात्रा कर ली है। उनकी कहानी की सबसे दिलचस्प बात यह है कि जॉय ने अपना पहला पासपोर्ट 91 साल की उम्र में बनवाया था। इसके महज पांच साल बाद वह दुनिया के सातों महाद्वीप घूमने वाली यात्रियों की सूची में शामिल हो गईं। उनकी इस उपलब्धि की कहानी सोशल मीडिया पर लोगों को खूब प्रेरित कर रही है। जॉय और उनके पोते ब्रैड की इस अनोखी यात्रा की शुरुआत 2015 में हुई थी। दिलचस्प बात यह है कि दोनों के बीच करीब दस साल तक बातचीत तक नहीं हुई थी। फिर एक दिन ब्रैड ने अपनी दादी को अमेरिका के ग्रेट स्मोकी माउंटेन्स में कैंपिंग के लिए आमंत्रित किया। जॉय ने बिना देर किए हामी भर दी। दोनों ने साथ समय बिताया और पुरानी दूरियां धीरे-धीरे खत्म हो गईं। यही छोटी-सी यात्रा आगे चलकर दुनिया घूमने के बड़े अभियान की शुरुआत बन गई। कैंपिंग के अनुभव ने दोनों को प्रकृति के करीब ला दिया। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के सभी 63 नेशनल पार्क घूमने का लक्ष्य बनाया। पहाड़ों, जंगलों और प्राकृतिक नजारों के बीच यह सफर जारी रहा। मई 2023 में दोनों ने अपना आखिरी नेशनल पार्क भी देख लिया। इसके बाद उनके सामने अगला लक्ष्य था अमेरिका से बाहर निकलकर दुनिया के अलग-अलग देशों और महाद्वीपों को देखना। पोते के साथ उन्होंने कई देशों की सैर की। केन्या में हाथियों को करीब से देखा, आयरलैंड के ऐतिहासिक किलों की खूबसूरती का आनंद लिया और थाईलैंड में बौद्ध भिक्षुओं से मुलाकात की। हर देश ने उन्हें कुछ नया अनुभव दिया। यह सफर केवल पर्यटन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि दोनों के रिश्ते को भी लगातार मजबूत करता गया।



हालिया यात्रा में जॉय और ब्रैड ऑस्ट्रेलिया पहुंचे। यही उनके अभियान का सातवां और आखिरी महाद्वीप बना। यहां कोआला और उनके बच्चों को देखकर जॉय बेहद उत्साहित हुईं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को बेहद खूबसूरत जगह बताया। इसके साथ ही 96 साल की उम्र में उन्होंने दुनिया के सातों महाद्वीप घूमने का अपना सपना पूरा कर लिया। इस यात्रा ने जॉय के साथ उनके पोते ब्रैड की जिंदगी को भी नया नजरिया दिया। थाईलैंड में एक युवा बौद्ध भिक्षु से बातचीत के दौरान ब्रैड को पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने की सीख मिली। एक छोटी-सी कैंपिंग ट्रिप से शुरू हुआ यह रिश्ता अब दुनिया की सैर तक पहुंच गया।

गैजेट रिव्यू

लंबाई नहीं, चौड़ाई में बदलेगा स्मार्टफोन का अंदाज, आ रहे हैं वाइड स्क्रीन फोन

स्मार्टफोन की दुनिया में अब तक बड़ी स्क्रीन का मतलब लंबा डिस्प्ले माना जाता रहा है, लेकिन आने वाले समय में यह तस्वीर बदल सकती है। मोबाइल कंपनियां अब चौड़ी स्क्रीन वाले स्मार्टफोन पर काम कर रही हैं। इनमें फोन का आकार सामान्य स्मार्टफोन से ज्यादा चौकोर नजर आएगा। डिस्प्ले बनाने वाली दुनिया की प्रमुख कंपनियों ने ऐसे फोन के लिए स्क्रीन की टेस्टिंग शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि 2027 में वाइड स्क्रीन स्मार्टफोन का नया ट्रेंड देखने को मिल सकता है। ओप्पो, शाओमी और वीवो जैसी कंपनियां भी इस दिशा में तैयारी कर रही हैं। स्मार्टफोन की नई डिजाइन को देखते हुए डिस्प्ले निर्माता कंपनियां भी अपने उत्पादों में बदलाव कर रही हैं। जानकारी के मुताबिक, BOE, Tianma, TCL CSOT और Visionox जैसी प्रमुख कंपनियां वाइड स्क्रीन डिस्प्ले की टेस्टिंग कर रही हैं। वाइड स्क्रीन स्मार्टफोन को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा ओप्पो के संभावित फोन की है। लीक हुई जानकारियों के मुताबिक, इसमें करीब 6.3 इंच का डिस्प्ले मिल सकता है। इसका रेजॉल्यूशन 1.5च और रिफ्रेश रेट 120Hz होने की उम्मीद है। इसमें फ्लैट LTPO OLED स्क्रीन दी जा सकती है। फोन में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 9600M प्रोसेसर मिलने की संभावना जताई जा रही है, जो xnm तकनीक पर आधारित बताया गया है।



कैमरा के मामले में भी यह फोन खास हो सकता है। इसमें 200 मेगापिक्सल के दो कैमरे मिलने की चर्चा है। बैटरी 7000mAh की हो सकती है, जिसे 80W फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट मिलने की उम्मीद है। हालांकि, कंपनी ने अभी इन खूबियों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

शाओमी और वीवो भी दौड़ में : टिप्सटर Debayan Roy के मुताबिक, ओप्पो के अलावा शाओमी और वीवो भी वाइड स्क्रीन स्मार्टफोन पर काम कर रही हैं। नए डिजाइन के लिए ऐप्स को भी अनुकूल बनाया जा रहा है, ताकि चौड़ी स्क्रीन पर सामग्री देखने, पढ़ने और इस्तेमाल करने का अनुभव बेहतर हो। चौड़ी स्क्रीन का सबसे बड़ा फायदा वीडियो देखने, इंटरनेट ब्राउजिंग, तस्वीरें देखने और एक साथ कई काम करने में मिल सकता है। स्क्रीन पर सामग्री ज्यादा चौड़ाई में दिखाई देगी और फोल्डेबल फोन के बाहरी डिस्प्ले का इस्तेमाल भी सुविधाजनक हो सकता है। हालांकि, फोन को पकड़ने, जेब में रखने और एक हाथ से चलाने में कितना आराम मिलेगा, यह उसकी वास्तविक डिजाइन पर निर्भर करेगा।

अगले 10 साल में बदलेगी जंगल की तस्वीर चार जोन में विकसित होगा ईको टूरिज्म, चार बड़े टाइगर रिजर्व से जुड़ेगा

नौरादेही टाइगर रिजर्व का पहला कंजर्वेशन प्लान तैयार, ड्रोन की नजर में रहेंगे चीता, कॉरिडोर से बाघों की बढ़ेगी दहाड़

विशाल रजक/तेंदूखेड़ा। । दोपहर मेट्रो

वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व में अब वन्यजीवों की सुरक्षा आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक प्रबंधन के जरिए होगी। टाइगर रिजर्व बनने के बाद पहली बार यहां 10 वर्षीय कंजर्वेशन प्लान तैयार किया गया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) की गाइडलाइन के तहत तैयार यह योजना अगले एक दशक तक संरक्षण, प्रबंधन और पर्यटन विकास की दिशा तय करेगी।

पूर्व डिप्टी डायरेक्टर डॉ. ए.ए. अंसारी ने 27 अक्टूबर को भोपाल में अधिकारियों के सामने प्लान प्रस्तुत किया। इसमें बाघ, तेंदुआ, नवागत चीता, भेड़िया और गिद्धों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्लान के तहत कोर एरिया के करीब 280 वर्ग किलोमीटर हिस्से में ईको टूरिज्म विकसित किया जाएगा। इसके लिए सागर, दमोह और नरसिंहपुर में चार पर्यटन जोन प्रस्तावित हैं।

वन्यजीवों की निर्बाध आवाजाही के लिए नौरादेही को पन्ना, बांधवगढ़, कान्हा और रातापानी टाइगर रिजर्व से जोड़ने वाले तीन कॉरिडोर विकसित करने की योजना है। वहीं, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए पेट्रोलिंग कैंप बढ़ाए जाएंगे और चीतों की निगरानी थर्मल ड्रोन से करने का प्रस्ताव है। डिप्टी डायरेक्टर रजनीश कुमार सिंह के अनुसार, नौरादेही में वन्यजीव संरक्षण का काम



1975 से चल रहा है। एनटीसीए की मंजूरी के बाद कंजर्वेशन प्लान के अनुरूप कार्य शुरू होंगे। यह योजना नौरादेही को बाघ, चीता और अन्य वन्यजीवों के सुरक्षित प्राकृतिक आवास के रूप में नई पहचान देगी।

चार पर्यटन जोन से खुलेगा जंगल का रोमांच

नौरादेही टाइगर रिजर्व के कोर एरिया के करीब 280 वर्ग किलोमीटर यानी लगभग 20 प्रतिशत हिस्से को ईको टूरिज्म के लिए विकसित करने की योजना है। इसके तहत सागर जिले में हिनौती और बीना-वारहा, दमोह में झापन और ब्यारमा तथा नरसिंहपुर में डोंगरगांव-सरसला क्षेत्र में पंचवटी गेट प्रस्तावित है। इसके अलावा दमोह के सिंग्रामपुर को कोर-2 में शामिल कर पर्यटन सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इन क्षेत्रों में पर्यटन गतिविधियों को व्यवस्थित तरीके से बढ़ावा देने का लक्ष्य है, ताकि प्रकृति और वन्यजीवों के करीब पहुंचने का अवसर मिले। साथ ही स्थानीय स्तर पर पर्यटन से जुड़ी संभावनाएं भी विकसित हो सकें।

भेड़ियों के लिए विशेष जोन, चीतों को मिलेगा बेहतर शिकार

नौरादेही को वर्ष 1975 में भारतीय भेड़िया यानी इंडियन ग्रे वुल्फ के संरक्षण के लिए अभयारण्य घोषित किया गया था। इसी विरासत को ध्यान में रखते हुए कंजर्वेशन प्लान में भेड़ियों के प्राकृतिक आवास के लिए विशेष जोन बनाया गया है। यहां के घास के मैदान वन्यजीवों के लिए खास पहचान रखते हैं। योजना में चिंकारा, नीलगाय और काले हिरण के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी जोर दिया गया है। इन शाकाहारी वन्यजीवों की संख्या और आवास बेहतर होने से चीतों को पर्याप्त प्राकृतिक शिकार उपलब्ध हो सकेगा। इस तरह घास के मैदानों का संरक्षण पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेगा।

न्यूज विंडो

आदमखोर बंदर को पकड़ने पर मिलेंगे 11 हजार, नगर परिषद करेगी सम्मानित



तेंदूखेड़ा। नगर के वार्ड 11 और 12 में पिछले दो-तीन वर्षों से आतंक का पर्याय बने बंदर को पकड़ने वाले व्यक्ति को नगर परिषद 11 हजार रुपए का नकद इनाम देगी। इसके साथ ही उसका सार्वजनिक रूप से सम्मान भी किया जाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि सत्येंद्र जैन ने इसकी जानकारी देते हुए लोगों से बंदर को पकड़ने में सहयोग की अपील की है। बताया गया कि लाल मुंह वाला यह बंदर अब तक सैकड़ों लोगों को काटकर घायल कर चुका है। इसके हमलों में बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल हैं। लगातार घटनाओं के कारण रहवासियों में दहशत है।

दो वार्डों में दो-तीन साल से आतंक, अब तक सैकड़ों लोगों को कर चुका है घायल, बच्चों और बुजुर्गों में दहशत

अभिभावक बच्चों को आंगनवाड़ी और स्कूल भेजने में भी डर रहे हैं। स्थानीय लोगों द्वारा कई बार बंदर को पकड़ने के प्रयास किए गए, लेकिन वह हाथ नहीं आया। पूर्व में पकड़े जाने के बाद उसे जंगल में छोड़ा गया था, लेकिन वह फिर नगर में लौट आया। वन विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने के बीच नगर परिषद ने इनाम घोषित कर इस समस्या के समाधान की पहल की है।

आंवला नवमी पर आस्था का सैलाब, महिलाओं ने व्रत रखकर की वृक्ष पूजा



तेंदूखेड़ा। नगर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में बुधवार को आंवला नवमी का पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही महिलाओं ने व्रत रखकर आंवले के वृक्ष का पूजन किया और परिवार की सुख-समृद्धि एवं संतान की मंगलकामना की। जिन घरों में आंवले के पेड़ थे, वहां महिलाओं ने घर पर ही पूजा-अर्चना की, जबकि अन्य महिलाएं मंदिर परिसरों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचीं। यहां आंवले के वृक्ष के नीचे सामूहिक पूजन और कथा का आयोजन हुआ। पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि कार्तिक शुक्ल नवमी को आंवला नवमी अथवा अक्षय नवमी के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार आंवले के वृक्ष में भगवान विष्णु का वास होता है। इस दिन वृक्ष पूजन और उसके नीचे भोजन करने का विशेष महत्व है। उन्होंने कथा सुनाते हुए काशी के एक निसंतान वैश्य परिवार की कथा भी सुनाई। मान्यता है कि आंवले के पूजन और सेवन से महिला रोगमुक्त हुई और उसे संतान की प्राप्ति हुई। इसी आस्था के साथ महिलाओं ने पूरे विधि-विधान से पर्व मनाया।

50 लाख से अधिक की रकम वापसी का इंतजार; चार माह का समय बीतने के बाद भी नहीं मिला पैसा

जमा पूंजी के लिए घर के बाहर धरने पर बैठे 60 हितग्राही, तीसरे दिन भी नहीं टूटी आस

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

झलौन में एसबीआई कियोस्क संचालक रहे मृतक रूपेश जैन के यहां जमा कराई गई रकम वापस पाने के लिए ग्रामीणों का विरोध लगातार तीसरे दिन बुधवार को भी जारी रहा। करीब 60 महिला-पुरुष हितग्राही सागर रोड स्थित मृतक के मकान के सामने डेरा जमाए हुए हैं। उनका दावा है कि 50 लाख रुपये से अधिक की राशि बकाया है। हितग्राहियों ने स्पष्ट कहा है कि जब तक उनकी मेहनत की कमाई वापस नहीं मिलती, वे यहां से नहीं हटेंगे।

ग्रामीणों के अनुसार, रूपेश जैन की मृत्यु के बाद करीब चार माह पहले मंदिर में दोनों पक्षों के बीच बैठक हुई थी। इसमें परिजनों ने राशि लौटाने के लिए चार माह का समय मांगा था। हितग्राहियों ने सहमति भी दे दी, लेकिन समय सीमा पूरी होने के बावजूद भुगतान नहीं हुआ। इससे नाराज ग्रामीण सोमवार से मकान के सामने डटे हैं।

बुधवार को भी हितग्राहियों ने वहीं भोजन बनाया और रात गुजारी। उनका कहना है कि जरूरत पड़ने पर वे एसडीएम, पुलिस अधीक्षक और कलेक्टर तक जाएंगे। ग्रामीणों के मुताबिक, कई लोगों की मुआवजे और वर्षों की बचत की रकम भी फंसी हुई है। अब वे आश्वासन नहीं, अपनी जमा पूंजी वापस चाहते हैं।



किसी के पांच लाख तो किसी के साढ़े चार लाख अटके

इस मामले में करीब 60 हितग्राही प्रभावित बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार, ऊकरपार निवासी दशरथ गोंड के पांच लाख रुपये, हरदुआ निवासी केशव अहिरवार के एक लाख रुपये और मिलन चक्रवर्ती के साढ़े चार लाख रुपये बकाया हैं। इसके अलावा लक्ष्मी रैकवार, माया रानी गोंड, गुलशन चक्रवर्ती और मनोज चक्रवर्ती सहित कई लोगों की रकम भी फंसी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि किसी ने मुआवजे की राशि तो किसी ने वर्षों की मेहनत से जुटाई पूंजी कियोस्क संचालक को बैंक खातों में जमा कराने के लिए दी थी।

खातों की जांच में नहीं मिली जमा रकम

रूपेश जैन झलौन में एसबीआई कियोस्क का संचालन करते थे। उनकी मृत्यु के बाद ग्रामीणों ने जब अपने बैंक खातों की जांच कराई तो कई हितग्राहियों के अनुसार, उनके द्वारा जमा कराने के लिए दी गई रकम खातों में दर्ज नहीं मिली। इसके बाद से ग्रामीण अपनी राशि वापस पाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। उनका आरोप है कि पुलिस और प्रशासन से शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई ठोस समाधान नहीं मिला है। चार माह का समय भी बीत चुका है, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। इसी के चलते हितग्राहियों ने विरोध का रास्ता अपनाया है।

कल इटारसी आएंगे कांग्रेस नेता मानक अग्रवाल, करेंगे वार्ता

नर्मदापुरम। मध्यप्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद-विधायक समन्वयक मानक अग्रवाल 20 नवंबर को एक दिवसीय प्रवास पर इटारसी आएंगे। वे सुबह 11:30 बजे ईश्वर रेस्टोरेंट में पत्रकार वार्ता करेंगे। इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडे, यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानंद तिवारी और मप्र कांग्रेस सचिव राजकुमार उपाध्याय (केलू) उपस्थित रहेंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे जिला कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के आह्वान पर भोपाल में आयोजित होने वाली संविधान बचाओ रैली की तैयारियों को लेकर जिला एवं नगर कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक लेंगे। बैठक में रैली में अधिक से अधिक कांग्रेसजनों की सहभागिता और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा होगी। दोपहर 3 बजे वे निजी कार्यक्रम में शामिल होंगे और शाम 4 बजे नर्मदापुरम रवाना होंगे।

सियार के हमले से वृद्ध घायल, स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती

वार्ड क्रमांक 9 में सुबह 10:30 बजे जंगल की ओर से आकर किया हमला, वन विभाग को दी सूचना

तेंदूखेड़ा। मंगलवार को नगर के वार्ड क्रमांक 9 में एक वृद्ध व्यक्ति पर जंगली सियार ने हमला कर घायल कर दिया। घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां पर वृद्ध का इलाज चल रहा है घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार छतरी नाथ उम्र 60 वर्ष निवासी वार्ड क्रमांक 9 पर घटना सुबह करीब 10:30 बजे की बताई गई है। जिस स्थान पर जंगली सियार ने हमला किया है, वहां से जंगल की सीमा लग जाती है और वन विभाग की नर्सरी भी है। सियार ने जंगल की ओर से आकर हमला कर दिया। घटना की सूचना वन विभाग को दी गई है।

खेतों में गूंज रही हार्वेस्टर की आवाज धान समेटने में जुटे हैं किसान

देर से रोपाई वाले खेतों में जारी है काम

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर सहित ग्रामीण अंचलों में इन दिनों धान की कटाई का काम जोर पकड़ चुका है। सुबह से शाम तक खेतों में किसान पकी फसल समेटने में जुटे नजर आ रहे हैं। जिन किसानों ने समय पर धान की रोपाई की थी, उनकी कटाई अक्टूबर माह में ही पूरी हो चुकी है, जबकि देर से रोपाई करने वाले किसानों के खेतों में अभी कटाई जारी है।

छोटे और मध्यम किसान मजदूरों के साथ खुद हंसिया से फसल काट रहे हैं, वहीं बड़े किसान हार्वेस्टर मशीनों की मदद से कम समय में कटाई पूरी करवा रहे हैं। आधुनिक मशीनों के उपयोग से कृषि कार्य में तेजी आई है, हालांकि कई गांवों में आज भी पारंपरिक तरीके से धान की कटाई की जा रही है। फसल को सुरक्षित घर तक पहुंचाने के लिए किसान दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। कटाई के साथ ही खेतों में धान की गहाई और



उपज को सुरक्षित रखने की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। धान कटाई के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों कृषि गतिविधियां तेज हो गई हैं और खेतों में विशेष चहल-पहल दिखाई दे रही है।

स्मार्ट मीटर के खिलाफ ग्रामीणों का विरोध, बढ़ते बिजली बिलों के खिलाफ कांग्रेस ने खोला मोर्चा

बीसारोदा के ग्रामीणों के साथ एमपीईबी कार्यालय पहुंचे जिला कांग्रेस अध्यक्ष, मीटर लगाने से पहले सहमति लेने और बिजली दरों पर नियंत्रण की मांग

नर्मदापुरम/इटारसी। दोपहर मेट्रो

ग्राम बीसारोदा में स्मार्ट मीटर लगाए जाने और लगातार बढ़ते बिजली बिलों को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ने लगी है। इस मुद्दे को लेकर जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डन पांडेय और ग्राम सरपंच नवल पटेल के नेतृत्व में ग्रामीणों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एमपीईबी कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से स्मार्ट मीटर लगाने से पहले ग्रामीणों की सहमति लेने और बिजली की बढ़ती दरों पर नियंत्रण कर उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की गई।

ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि स्मार्ट मीटर लगाए जाने की प्रक्रिया और बढ़ते बिजली बिलों के कारण आम परिवारों पर आर्थिक



बोझ बढ़ रहा है। बिजली जैसी बुनियादी सुविधा के लिए लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने मांग की कि मीटर लगाने से पहले उपभोक्ताओं की आपत्तियां और समस्याएं सुनी जाएं। इस दौरान संबंधित अधिकारी डिलन पटेल को ज्ञापन सौंपा गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष पांडेय ने ग्रामीणों और विशेषकर महिलाओं से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने महिलाओं को अपना मोबाइल नंबर देते हुए भरोसा दिलाया कि स्मार्ट मीटर और बिजली बिलों से जुड़ी किसी भी परेशानी पर वे सीधे संपर्क कर सकती हैं। कांग्रेस संबंधित अधिकारियों के सामने उनकी समस्याएं उठाएगी।

मेट्रो एंकर पूर्व में सिल्लियां बदलने पर हुई थी एक लाख से अधिक की वसूली, फिर उठे सवाल

15 दिन बाद भी झलौन रेंज कार्यालय में रखी हैं सिल्लियां, डिपो नहीं पहुंचाई गईं

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

झलौन वन परिक्षेत्र में अवैध सागौन कटाई और विभाग की कार्यप्रणाली पर फिर सवाल खड़े हो गए हैं। बीते 31 अक्टूबर को डुकरसता बीट से ले जाई जा रही सागौन की तीन सिल्लियां वन अमले ने पकड़ी थीं। इन्हें तीन मोटरसाइकिलों से ले जाया जा रहा था कार्रवाई में डिप्टी रेंजर, वनरक्षक और दैनिक वेतनभोगी कर्मियों ने लकड़ी जब्त की, लेकिन वन माफिया एक मोटरसाइकिल छोड़कर दो के साथ फरार हो गए। विभाग ने सिल्लियों को झलौन कार्यालय परिसर में रखवा दिया। हैरानी है कि 15 दिन बाद भी जब्त लकड़ी तेंदूखेड़ा डिपो नहीं भेजी गई। सवाल है कि देरी क्यों हो रही है और क्या कर्मचारियों को फिर सिल्लियां बदलने का मौका दिया जा रहा है?



पहले भी बदल दी गई थीं सिल्लियां

पिछले वर्ष दिसंबर में भी पकड़ी गई सिल्लियों को बदलकर दूसरी सिल्लियां डिपो भेजने का मामला सामने आया था। डीएफओ के निर्देश पर एसडीओ की जांच में सिल्लियां बदलने की पुष्टि हुई। इसके बाद तत्कालीन रेंजर सतीश मसीह, डिप्टी रेंजर शंकर सिंह ठाकुर और वनरक्षक महबूब खान से एक लाख रुपए से अधिक की रिकवरी हुई थी।

ग्रामीणों का आरोप - कार्रवाई कर जंगल कटवा रहे हैं

ग्रामीण मुकेश और नंदकुमार का कहना है कि परिक्षेत्र में करीब 22 वर्षों से डिप्टी रेंजर शंकर सिंह पदस्थ हैं। लंबे समय से एक ही जगह जमे कर्मियों और वन माफिया के बीच मिलीभगत के चलते अवैध कटाई पर रोक नहीं लग पा रही है। सबसे अधिक कटाई डुकरसता बीट में हुई है। ग्रामीण बरसों से पदस्थ कर्मचारियों को हटाने की मांग कर रहे हैं जब्त सिल्लियों का पीओआर काटा गया है, मोटरसाइकिल को राजसात करने की कार्रवाई हो रही है

इस संबंध में तेंदूखेड़ा उप वनमंडल अधिकारी प्रतीक दुबे ने बताया कि संबंधित रेंजर को हटाकर उनकी कार्यप्रणाली के कारण डिप्टी रेंजर बनाया गया है। जिन कर्मचारियों पर वन माफिया से मिले होने के आरोप हैं, उन्हें भी हटाया जाएगा। जब्त सिल्लियां शीघ्र डिपो पहुंचा दी जाएंगी। यदि इस बार भी लापरवाही हुई तो खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान जबलपुर में हुई मौत

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

रविवार 15 नवंबर की रात करीब 9 बजे पाटन-तेंदूखेड़ा मार्ग पर माहुला पुल और पेट्रोल पंप के बीच अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी और मौके से भाग गया। इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क किनारे पड़ा रहा राहगीरों की मदद से घायल को नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। तीन दिन तक चले इलाज के दौरान मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात बाइक सवार युवक ने दम तोड़ दिया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया मृतक की पहचान उमेश पिता भूरा गौड़, उम्र 22 वर्ष, निवासी पाड़ाझिर, थाना तेंदूखेड़ा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार उमेश किसी काम से बाइक से तेंदूखेड़ा आया था, लेकिन रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी और चालक मौके से भाग निकला।

हादसे के बाद घायल सड़क किनारे पड़ा रहा, बाद में राहगीरों ने उसे स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से जबलपुर रेफर किया गया। परिजनों ने मेडिकल में हालत गंभीर देखते हुए उसे प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया था, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बुधवार की देर शाम उमेश का पाड़ाझिर गांव में अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस द्वारा पूरे मामले की जांच की जा रही है और अज्ञात वाहन की खोजबीन शुरू कर दी है।

फोरलेन पर वन विभाग ने अवैध लकड़ी से भरा आयशर जब्त किया

अलसुबह 5:30 बजे उड़नदस्ते ने रोका संदिग्ध वाहन, बड़नगर की आरा मशीन से पीथमपुर की पेपर मिल पहुंचाई जा रही थी पंचमेल जलाऊ लकड़ी

धार। दोपहर मेट्रो

वन मंडल में लकड़ी की अवैध कटाई और तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 10 टन लकड़ी से भरा आयशर वाहन जब्त किया है। लेबड़-मानपुर फोरलेन पर अलसुबह हुई इस कार्रवाई में ताजा कटे हुए पंचमेल जलाऊ लकड़ी के गुल्ले बरामद किए गए हैं।

वन मंडल अधिकारी विजयनंथम टीआर के निर्देश पर मिली गुप्त सूचना के आधार पर उड़नदस्ता दल गश्त कर रहा था। सुबह करीब 5:30 बजे लेबड़ की ओर से आते संदिग्ध आयशर वाहन को रोककर तलाशी ली गई। वाहन में करीब 10 टन लकड़ी मिली। चालक मांगीलाल निवासी गौतमपुरा से परिवहन और कटाई संबंधी वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई अनुमति पत्र नहीं दिखा सका। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि लकड़ी बड़नगर की एक आरा मशीन



से भरकर पीथमपुर स्थित श्री पेपर कंपनी ले जाई जा रही थी। वन विभाग ने पंचनामा बनाकर वाहन और लकड़ी जब्त कर धार रेंज परिसर में सुरक्षित रखवा दी है। मामले में आरा मशीन और पेपर कंपनी की भूमिका की जांच की जा रही है।

बड़नगर से पीथमपुर तक पहुंचाया जा रहा था लकड़ी का जखीरा

वन विभाग की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि जब्त की गई पंचमेल जलाऊ लकड़ी बड़नगर निवासी सोहराब भाई के कहने पर कुलदीप पांचाल की आरा मशीन से वाहन में भरी गई थी। इसे पीथमपुर स्थित श्री पेपर कंपनी पहुंचाया जा रहा था। वाहन चालक मांगीलाल पिता सेवकराम निवासी गौतमपुरा ने पूछताछ में यह जानकारी दी। वाहन मालिक के रूप में प्रकाश पिता नानुराम निवासी गौतमपुरा का नाम सामने आया है। हालांकि लकड़ी की कटाई और परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज चालक प्रस्तुत नहीं कर सका। वन विभाग अब लकड़ी के स्रोत और इस पूरे परिवहन नेटवर्क से जुड़े लोगों की भूमिका की जांच कर रहा है।

दस्तावेज नहीं मिलने पर वाहन सहित लकड़ी जब्त

लेबड़-मानपुर फोरलेन पर गश्त के दौरान उड़नदस्ता दल को अलसुबह संदिग्ध आयशर वाहन दिखाई दिया था। टीम ने तत्काल वाहन रुकवाकर उसकी तलाशी ली तो उसमें ताजा कटे हुए करीब 10 टन लकड़ी के गुल्ले मिले। चालक से वैध अनुज्ञा पत्र, परिवहन परमिट और अन्य जरूरी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सका। इसके बाद वन विभाग की टीम ने मौके पर पंचनामा तैयार कर लकड़ी और वाहन को जब्त कर लिया। दोनों को धार रेंज परिसर में सुरक्षित रखा गया है। अब विभाग आरा मशीन और पेपर कंपनी की संलिप्तता सहित लकड़ी की अवैध कटाई और परिवहन के पूरे मामले की कानूनी जांच कर रहा है।

सरकारी राशि खर्च, फिर भी आदिवासी क्षेत्र में सीमैप की आसवा इकाई खंडहर में तब्दील

अनूपपुर। आदिवासी क्षेत्र के विकास और स्थानीय लोगों को रोजगार एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से स्थापित सीमैप की आसवा इकाई आज बदहाली का शिकार है। जिस संस्थान से आदिवासियों को रोजगार, प्रशिक्षण और आजीविका के नए अवसर मिलने की उम्मीद थी, उसकी स्थिति अब खंडहर जैसी दिखाई दे रही है।परियोजना में सरकार की ओर से लाखों रुपये खर्च किए गए, लेकिन उसका वास्तविक लाभ स्थानीय आदिवासी परिवारों तक नहीं पहुंचा। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय और सीमैप की संयुक्त पहल एवं संस्थागत जिम्मेदारियों पर भी सवाल उठ रहे हैं। इकाई बंद या अनुपयोगी स्थिति में पहुंची तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? भवन, मशीनरी और संसाधनों का उपयोग क्यों नहीं हो रहा? कितने आदिवासी युवाओं को प्रशिक्षण, रोजगार मिला और कितने परिवारों की आय बढ़ी, इसकी जांच जरूरी है।

न्यूज विंडो

अपराधियों पर कसें शिकंजा, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी में लाएं तेजी : आईजी



धार। इंदौर ग्रामीण जोन के पुलिस महानिरीक्षक अनुराग ने बुधवार को धार पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अपराध समीक्षा बैठक लेकर पुलिस अधिकारियों को अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के निराकरण के लिए सख्त निर्देश दिए। उन्होंने दो माह से अधिक समय से लंबित अपराधों का प्रकरणवार निराकरण करने और फरार व इनामी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में आईजी ने हत्या, लूट, डकैती और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर अपराधों में मजबूत साक्ष्य जुटाकर प्रभावी वैधानिक कार्रवाई करने पर जोर दिया। महिला एवं बाल अपराधों की विवेचना संवेदनशीलता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने अवैध शराब, मादक पदार्थ, जुआ-सट्टा और हथियारों के खिलाफ अभियान चलाने, चोरी एवं नकबजनी के मामलों में बरामदगी बढ़ाने तथा अनसुलझे अपराधों का खुलासा करने को कहा। साथ ही साइबर अपराधों की जांच में डिजिटल साक्ष्यों और सीसीटीएनएस का बेहतर उपयोग करने के निर्देश दिए। आईजी ने जनशिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण, नियमित गश्त और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाकर कानून-व्यवस्था मजबूत रखने पर भी जोर दिया। बैठक में एसपी सहित जिले के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और थाना प्रभारी मौजूद रहे।

स्कूल की बदहाली पर भड़के विद्यार्थी, रैली लेकर सरदारपुर के लिए निकले



धार। शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल तिरला में अव्यवस्थाओं और मूलभूत सुविधाओं की कमी से नाराज विद्यार्थियों ने मंगलवार को मोर्चा खोल दिया। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं स्कूल से रैली निकालकर नारेबाजी करते हुए तहसील मुख्यालय सरदारपुर के लिए रवाना हो गए। इसकी सूचना मिलते ही प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और गांव से करीब तीन किलोमीटर दूर विद्यार्थियों को रोककर उनकी समस्याएं सुनीं। विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर की सफाई, शौचालयों की स्वच्छता और अन्य व्यवस्थाओं में सुधार की मांग रखी। अधिकारियों की समझाइश के बाद विद्यार्थी स्कूल लौटे। तहसीलदार महेश सिंह सोलंकी, थाना प्रभारी समीर पाटीदार, बीईओ वीरसिंह राजपूत और बीआरसी महेंद्र सिंह सोलंकी ने स्कूल का निरीक्षण कर स्टाफ की बैठक ली और समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। विद्यार्थियों ने प्राचार्य को हटाने की मांग भी उठाई। अधिकारियों ने नियमानुसार वरिष्ठ शिक्षक को प्राचार्य का दायित्व सौंपने का प्रस्ताव जिला अधिकारियों को भेजा है। तहसीलदार ने जल्द व्यवस्थाओं में सुधार का आश्वासन दिया।

तीन किलोमीटर दूर अधिकारियों ने रास्ते में रोका, सफाई और शौचालयों की बदहाल व्यवस्था सुधारने का दिया आश्वासन

ढाबा संचालक गंभीर, बोलेरो-कार सहित कई वाहन क्षतिग्रस्त

भेड़ाघाट में आधी रात मौत बनकर दौड़ा मक्का लोडेड ट्रक, तीन लोगों को कुचल ढाबे में घुसा

आग ताप रहे लोगों को रौंदने के बाद पलटा बेकाबू ट्रक, मौके पर पहुंची पुलिस ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया

जबलपुर दोपहर मेट्रो

नेशनल हाईवे-45 पर भेड़ाघाट थाना क्षेत्र के खैरी बंधा में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे भीषण सड़क हादसा हो गया। शहपुरा से जबलपुर की ओर आ रहा मक्का से लोड तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर राज फैमिली ढाबे में जा घुसा। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ढाबा संचालक राजा साहू गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, रात में ढाबे के बाहर कुछ लोग ठंड से बचने के लिए आग ताप रहे थे। इसी दौरान बेकाबू ट्रक ने वहां खड़ी बोलेरो, कार और पिकअप को टक्कर मारते हुए लोगों को कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रक भी पलट गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। मृतकों की पहचान ढाबा कर्मचारी धर्मेंद्र निवासी खैरी तथा शराब दुकान कर्मचारी मोनू और बलराम निवासी भिंड-मुरैना के रूप में हुई है। गंभीर घायल ढाबा संचालक राजा साहू को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलते ही भेड़ाघाट पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।



आग ताप रहे लोगों पर काल बनकर टूटा ट्रक

ठंड से बचने के लिए रात के समय ढाबे के बाहर कुछ लोग आग ताप रहे थे। इसी दौरान शहपुरा की ओर से मक्का लोड कर आ रहा तेज रफ्तार ट्रक अचानक अनियंत्रित हो गया। ट्रक ने सबसे पहले ढाबे के बाहर खड़े वाहनों को अपनी चपेट में लिया और फिर वहां मौजूद लोगों को कुचलते हुए ढाबे में जा घुसा। हादसे में तीन लोगों की जान चली गई। प्रत्यक्ष घटनाक्रम के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक भी मौके पर पलट गया। कुछ ही पलों में ढाबे के बाहर का पूरा नजारा बदल गया और वहां अफरा-तफरी मच गई।

बोलेरो, कार और पिकअप भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त

हादसे में मक्का से भरे ट्रक की चपेट में आने से ढाबे के बाहर खड़ी बोलेरो, कार और पिकअप सहित तीन-चार वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। ट्रक पलटने के बाद मौके पर राहत और बचाव की स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलते ही भेड़ाघाट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। हादसे में ढाबा संचालक राजा साहू गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे में शामिल ट्रक का नंबर एमपी 20 एसबी 1200 बताया गया है।

सहकारी समितियों में गड़बड़ियों के आरोपों से मचा हड़कंप, एक अधिकारी की भूमिका पर सवाल

16 समितियों में प्रशासक और ऑडिटर की जिम्मेदारी निभाने का आरोप, बाबूलाल शुक्ला ने लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू और शासन से की शिकायत

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले की सहकारी समितियों में कथित वित्तीय अनियमितताओं, नियम विरुद्ध नियुक्तियों और धान खरीदी में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। शहडोल के वरिष्ठ नागरिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता बाबूलाल शुक्ला ने सहकारी निरीक्षक अनुज ओहदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए शासन, लोकायुक्त, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) और जिला प्रशासन से शिकायत की है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अनुज ओहदार जिले की 16 सहकारी समितियों में प्रशासक के साथ ऑडिटर की भूमिका भी निभाते रहे हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि एक ही अधिकारी के पास दोनों जिम्मेदारियां होने से निष्पक्ष ऑडिट प्रभावित होने की आशंका है।

इसके अलावा समितियों में बिना सार्वजनिक विज्ञापन और निर्धारित चयन प्रक्रिया के सगे-संबंधियों की नियुक्तियां किए जाने का आरोप लगाया गया है। कई समितियों की बैलेंस शीट में लाखों से करोड़ों रुपये की वसूली लंबित होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने की बात भी कही गई है। शिकायत में पटनाकला और दुलहरा समितियों में धान खरीदी के दौरान करीब 10-10 लाख रुपये की कमी का आरोप भी लगाया गया है। इसमें उच्च अधिकारियों के संरक्षण और शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होने के सवाल उठाए गए हैं।

बदनावर में फ्लाईओवर और फोरलेन सहित 7 सड़क परियोजनाओं को मंजूरी

4753 लाख की लागत से बनेगा फोरलेन, फ्लाईओवर व सर्विस रोड पर खर्च होंगे 4993 लाख रुपए; ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुधरेगी आवागमन की सुविधा

धार। दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने धार जिले में सड़क विकास से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने बताया कि इन परियोजनाओं से बदनावर में यातायात का दबाव और जाम की समस्या कम होगी। साथ ही ग्रामीणों, किसानों, व्यापारियों और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

मंत्री ठाकुर के अनुसार स्वीकृत प्रमुख कार्यों में एसएच-18 पीटागार से बदनावर में राष्ट्रीय राजमार्ग-752 तक करीब 4 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग का निर्माण शामिल है। इस पर 4753 लाख रुपए खर्च होंगे। वहीं बदनावर में फ्लाईओवर एवं सर्विस रोड निर्माण के लिए 4993 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई है।

यह कार्य भी स्वीकृत

- ननोदा से निंबोल काकड़ मार्ग 5.20 किलोमीटर, लागत 811 लाख रुपए।
- देदली बी से ब्राह्मणगांव होते हुए सेंदला फाटा मार्ग 2 किलोमीटर, लागत 371 लाख रुपए।
- पिपली सोनगांव मेन रोड से अकबापुर होते हुए सेंटला तक मार्ग 5.40 किलोमीटर, लागत 863 लाख रुपए।
- गंधवानी-चिमली मार्ग से साती गडिरायपुरा होते हुए सौचला मेन मार्ग 3 किलोमीटर, लागत 485 लाख रुपए।

इन सड़क परियोजनाओं के पूरा होने से बदनावर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था बेहतर होने और लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

अवैध शराब के निर्माण पर आबकारी विभाग की नजर, खाली बोतलों-ढक्कनों का भी रखेंगे हिसाब

कबाड़ व्यापारियों और होटल संचालकों को जारी किए जा रहे नोटिस

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध और मिलावटी शराब के निर्माण व बिक्री पर पूरी तरह लगाम लगाने के लिए आबकारी विभाग ने कमर कस ली है। विभाग ने 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाते हुए अब शराब की खाली बोतलों, क्वार्टरों और ढक्कनों की भी निगरानी शुरू कर दी है। इस विशेष अभियान के तहत इनका पूरा लेखा-जोखा रखा जाएगा, ताकि असली दिखने वाली इन बोतलों का उपयोग जहरीली या मिलावटी शराब की रि-पैकिंग में न किया जा सके।

अभियान के तहत आबकारी विभाग की टीमें जिले भर के होटलों और ढाबों पर पहुंचकर संचालकों को सख्त समझाइश दे रही हैं। उन्हें



निर्देशित किया गया है कि ग्राहकों द्वारा शराब के उपयोग के बाद खाली बोतलों और ढक्कनों को सुरक्षित रखने के बजाय तुरंत क्रश (नष्ट) कर दें या तोड़ दें, जिससे इनका दोबारा इस्तेमाल किसी भी स्थिति में संभव न हो सके।

दरअसल, अन्य क्षेत्रों में इस तरह के मामले सामने आए हैं जहां शराब माफिया कबाड़ व्यापारियों से बड़ी मात्रा में खाली बोतलें और ढक्कन खरीदते हैं। इसके बाद उनमें मिलावटी और जहरीली शराब भरकर असली ब्रांड के नाम पर रि-पैकिंग की जाती है। हूबहू असली जैसी दिखने वाली बोतल होने के कारण आम उपभोक्ता जहरीली शराब की पहचान नहीं कर पाता, जिससे जानलेवा हादसों का खतरा बना रहता है। खाली बोतलों की अवैध खरीद-फरोख्त रोकने के लिए अधिकारी भंगार (स्क्रैप) और कबाड़ का व्यवसाय करने वाले व्यापारियों के ठिकानों पर भी दबिश दे रहे हैं। व्यापारियों को स्पष्ट हिदायत दी गई है कि यदि कोई व्यक्ति बड़ी मात्रा में शराब की खाली बोतलें या ढक्कन खरीदने आता है, तो उसका नाम, पूरा पता और आधार कार्ड अनिवार्य रूप से लिया जाए। साथ ही, ऐसे संदिग्ध खरीदारों की सूचना तत्काल आबकारी विभाग को दी जाए, ताकि अवैध शराब बनाने वाले अड्डों तक समय रहते पहुंचकर कठोर कार्रवाई की जा सके।

मेट्रो एंकर | कल और आगामी विवाह मुहूर्तों पर रहेगी पैनी नजर, कलेक्टर ने जिला से ग्राम स्तर तक गठित किए निगरानी दल

देवउठनी एकादशी पर बाल विवाह रोकने गांव-गांव दौड़ेंगे उड़नदस्ते

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

देवउठनी एकादशी सहित आगामी विवाह मुहूर्तों में बाल विवाह रोकने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं। 20 नवंबर को होने वाले विवाह आयोजनों को देखते हुए कलेक्टर रुचिका चौहान ने जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों को जिम्मेदारी सौंपी है। बाल विवाह की रोकथाम के लिए जिला, विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर तक उड़नदस्तों का गठन किया गया है।

प्रशासन ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2026 के तहत सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है।



महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी उपासना राय ने बताया कि संभावित बाल विवाह की सूचना और शिकायत प्राप्त करने के लिए वन स्टॉप सेंटर ग्वालियर में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाया गया है। आम नागरिक टोल फ्री नंबर 1098 और कंट्रोल रूम नंबर 0751-2990969 पर शिकायत कर सकते हैं।

जिला स्तर पर जिला पंचायत सीईओ, जिला शिक्षा अधिकारी, सीएमएचओ और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी निगरानी करेंगे। वहीं विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर भी विशेष दल सक्रिय रहेंगे। प्रशासन ने विवाह स्थलों का भ्रमण कर बाल विवाह रोकने और सूचना मिलते ही कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सरपंच से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तक संभालेंगे जिम्मेदारी : बाल विवाह रोकने के लिए विकासखंड स्तर पर एसडीओपी, जनपद पंचायत सीईओ, तहसीलदार, महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, थाना प्रभारी और सेक्टर पर्यवेक्षकों को शामिल कर उड़नदस्ते बनाए गए हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी स्कूलों के प्राचार्य, प्राथमिक-माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, पटवारी, पंच, सरपंच, सचिव, आंगनबाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा स्व-सहायता समूह और शौर्या दल के सदस्य भी निगरानी करेंगे। ये सभी सामूहिक विवाह स्थलों और अन्य आयोजनों का भ्रमण कर सुनिश्चित करेंगे कि कहीं बाल विवाह न हो।

शिकायत के लिए कंट्रोल रूम तैयार, इन नंबरों पर दें सूचना

संभावित बाल विवाह की शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई के लिए वन स्टॉप सेंटर ग्वालियर में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। आम नागरिक टोल फ्री नंबर 1098 अथवा कंट्रोल रूम नंबर 0751-2990969 पर सूचना दे सकते हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यक्रम अधिकारी उपासना राय के अनुसार, शिकायत मिलते ही संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के लिए सूचना दी जाएगी। जिला स्तर पर जिला पंचायत सीईओ, जिला शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी लगातार निगरानी करेंगे। प्रशासन ने नागरिकों से बाल विवाह की जानकारी छिपाने के बजाय समय रहते सूचना देने की अपील की है।

इंदौर के 90 प्रतिशत पब्लिक टॉयलेट में पानी नहीं, 80 प्रतिशत में यूरिनल गायब

इंदौर। स्वच्छता में लगातार आठ बार देशभर में नंबर वन रहे हमारे इंदौर में सुविधाघरों की हालत अत्यंत खराब है। नगर निगम सीमा में 350 से ज्यादा सुविधाघर हैं, लेकिन ये सभी बदहाल हैं। इनकी सफाई को लेकर निगम की सजगता इसी से समझी जा सकती है कि इन सुविधाघरों का उपयोग तो दूर इनके पास से गुजरना तक मुश्किल है। हालत यह है कि 90 प्रतिशत से ज्यादा सुविधाघरों में पानी ही नहीं है। इंतजाम के नाम पर टंकियां तो लगी हैं लेकिन इन्हें अंतिम बार कब भरा गया था यह किसी को नहीं पता क्योंकि सालों से निगम ने इन टंकियों की सुध नहीं ली। 80 प्रतिशत से ज्यादा सुविधाघरों में यूरिनल गायब हैं। सुविधाघरों के बाहर लगाए गए वाश-बेसिन तो शत प्रतिशत जगहों से या तो गायब हैं या ऐसी स्थिति में हैं कि चाहकर भी आप इनका उपयोग नहीं कर सकते। सफाई की स्थिति यह है कि कई जगह गंदगी सड़क पर बहती रहती है।

गिल के फैसले से मचा हड़कंप, चार तेज गेंदबाजों के भरोसे उतरी टीम इंडिया

ना सिराज, ना जडेजा, कप्तान ने युवा गेंदबाजों पर जताया भरोसा

वेलिंगटन।, एजेंसी

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मुकाबले में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने ऐसा दांव खेला है, जिसने क्रिकेट प्रेमियों को चौंका दिया है। वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व मैदान पर आज से शुरू हुए मुकाबले में भारतीय टीम चार तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतरी है। सबसे हैरान करने वाला फैसला अनुभवी रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को अंतिम एकादश से बाहर रखने का रहा। वहीं, युवा तेज गेंदबाजों पर भरोसा जताते हुए गिल ने आकाश दीप, अंशुल कम्बोज, प्रसिद्ध कृष्णा और जसप्रीत बुमराह को जिम्मेदारी सौंपी है। वॉशिंगटन सुंदर को स्पिन ऑलराउंडर के रूप में जगह दी गई है। इसके अलावा ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल दोनों को टीम में शामिल कर भारतीय कप्तान ने एक और बड़ा प्रयोग किया है।

भारतीय टीम के चयन ने मुकाबले से पहले ही चर्चा तेज कर दी है। रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को बाहर बैठाने का फैसला आसान नहीं था। खासतौर पर सिराज ने हालिया वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। वहीं, गुरनूर बरार को भी अंतिम एकादश में जगह नहीं मिल सकी। कप्तान गिल ने गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करते हुए चार तेज गेंदबाजों को मौका दिया है। जसप्रीत बुमराह के अनुभव के साथ आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा और अंशुल कम्बोज की युवा ताकत पर भरोसा जताया गया है। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि तेज गेंदबाज न्यूजीलैंड की परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाकर मेजबान बल्लेबाजों पर दबाव बनाएंगे।

टॉस के दौरान शुभमन गिल ने टीम संयोजन को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह से टीम प्रबंधन इस बात पर विचार कर रहा था कि किस संयोजन के साथ मैदान पर उतरना बेहतर होगा। सभी तेज गेंदबाज अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, इसलिए अंतिम एकादश चुनना चुनौतीपूर्ण रहा। गिल ने कहा कि सिराज और गुरनूर को बाहर रखना मुश्किल फैसला था। दोनों ने वनडे सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। विशेष रूप से गुरनूर ने अपने खेल से प्रभावित किया था। हालांकि, टीम ने मौजूदा परिस्थितियों और रणनीति को ध्यान में रखते हुए चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने का निर्णय लिया है। कप्तान को भरोसा है कि जिन खिलाड़ियों को मौका दिया गया है, वे अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाएंगे और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाएंगे।



सिराज को बाहर करने पर भड़के गावस्कर

सोनी स्पोर्ट्स से बात करते हुए सुनील गावस्कर ने मोहम्मद सिराज को बाहर रखे जाने के फैसले पर सवाल उठाए और कहा कि सिराज ने कभी भी भारतीय टीम को निराश नहीं किया है। गावस्कर ने कहा, जब वह टेस्ट टीम के साथ जल्दी नहीं जुड़े थे तभी इसके संकेत मिल गए थे। जब उन्होंने आखिरी वनडे खेला तो मुझे लगा था कि वे उन्हें टेस्ट में खिलाने जा रहे हैं। लेकिन यह एक आश्चर्य की बात है। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने भारत को निराश किया है। उन्होंने भारत को कभी निराश नहीं किया। पूर्व कप्तान ने यह भी स्पष्ट किया कि सिराज की मौजूदा फॉर्म या लय में ऐसी कोई गिरावट नहीं आई थी जिसके चलते उन्हें टीम से बाहर का रास्ता दिखाया जाए। गावस्कर ने पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर सिराज के शानदार प्रदर्शन को याद करते हुए कहा कि उनकी गेंदबाजी में किसी तरह की कोई खराबी नजर नहीं आ रही थी। उन्होंने आगे कहा, उनकी गेंदबाजी में कुछ भी गलत नहीं हुआ है। उनकी लय अच्छी है। हाल ही में उन्होंने जो भी क्रिकेट खेला है मैंने जितना देखा है, वह बिल्कुल ठीक रहे हैं। उन्हें क्यों नहीं चुना गया यह मुझे नहीं पता। मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि जिन खिलाड़ियों को उनसे पहले चुना गया है वे अच्छा प्रदर्शन करें।

धोनी की विदाई पर भावुक हुए रोहित-बुमराह, वैभव सूर्यवंशी ने भी साझा की यादगार तस्वीर



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर है। चेन्नई सुपर किंग्स ने मंगलवार को पुष्टि की कि धोनी वर्ष 2027 के सत्र से पहले टीम में मार्गदर्शक की नई भूमिका निभाएंगे। इसके साथ ही वर्ष 2008 में शुरू हुए उनके शानदार खिलाड़ी जीवन का अंत हो गया है। धोनी के इस फैसले के बाद क्रिकेट जगत में उनके योगदान को याद करते हुए पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने धोनी के साथ बिताए पलों को याद करते हुए उन्हें शानदार खिलाड़ी जीवन के लिए बधाई दी। उन्होंने सामाजिक माध्यम एक्स पर लिखा, धोनी भाई, शानदार आईपीएल करियर के लिए बधाई। आपके साथ मैदान साझा करना और इतने सालों में कई यादें बनाना मजेदार रहा। आपके लिए बहुत सम्मान।÷ रोहित और धोनी के बीच मैदान पर कई यादगार मुकाबले हुए हैं। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स की भिड़ंत को आईपीएल का एल क्लासिको भी कहा जाता है।

युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी धोनी के साथ अपनी तस्वीर साझा कर उन्हें विदाई दी। इसके अलावा सुरेश रैना, रवींद्र जडेजा, शिखर धवन और इरफान पठान सहित कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी धोनी के फैसले पर प्रतिक्रिया दी।



झीलों की नगरी में आज से महिला हॉकी का महाकुंभ

भारत मलेशिया के खिलाफ करेगा अभियान का आगाज, छह देशों के बीच होगा मुकाबला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल अंतर्राष्ट्रीय महिला हॉकी के रोमांचक मुकाबलों की मेजबानी के लिए तैयार है। आज गुरुवार से नाथू बरखेड़ा स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी-2026 का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और और मप्र के खेल मंत्री विश्वास सारंग आगाज करेंगे। प्रतियोगिता में भारत, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड की टीमें अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगी। मेजबान भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत मलेशिया के खिलाफ करेगी। दोनों टीमों के बीच मुकाबला शाम 4:35 बजे खेला जाएगा।

चौथी बार खिताब जीतने पर भारत की नजर

मौजूदा चैंपियन भारतीय महिला हॉकी टीम इस बार चौथा खिताब जीतकर प्रतियोगिता की सबसे सफल टीम बनने के इरादे से मैदान में उतरेगी। भारत अब तक तीन बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीत चुका है। वर्ष 2026 में भारतीय टीम ने विश्व कप क्वालीफायर और एफआईएच महिला नेशंस कप में शानदार प्रदर्शन किया है। इसके अलावा एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर भी देश का गौरव बढ़ाया है। पहले दिन तीन मुकाबले होंगे। दोपहर 1 बजे चीन और थाईलैंड, 3:15 बजे जापान और दक्षिण कोरिया तथा शाम 4:35 बजे भारत और मलेशिया आमने-सामने होंगे। लीग चरण में प्रत्येक टीम पांच मुकाबले खेलेगी। शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। 27 नवंबर को सेमीफाइनल और 28 नवंबर को पदक मुकाबले खेले जाएंगे।

मंत्री सारंग ने परखी तैयारियां

खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने आयोजन स्थल का निरीक्षण कर प्रशासन, पुलिस, नगर निगम और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने खिलाड़ियों, अतिथियों और दर्शकों की सुविधाओं, सुरक्षा, यातायात, पार्किंग एवं स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए। मंत्री सारंग ने कहा कि यह आयोजन मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है। इससे प्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी और बेटियों सहित युवा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय हॉकी से प्रेरणा मिलेगी।

सैंडपेपरगेट पर उस्मान ख्वाजा का बड़ा खुलासा, बोले-

पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को थी बॉल टेंपरिंग की जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के सबसे विवादित मामलों में शामिल 2018 का सैंडपेपरगेट प्रकरण एक बार फिर सुर्खियों में है। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपनी किताब सब्र में चौंकाने वाले खुलासे करते हुए दावा किया है कि केपटाउन में हुए गेंद से छेड़छाड़ मामले की जानकारी पूरी ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम को थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पोर्ट एलिजाबेथ में खेले गए पिछले टेस्ट में भी इसी तरह की हरकत हुई थी। इन खुलासों के बाद क्रिकेट जगत में नई बहस छिड़ गई है।

ख्वाजा की किताब के कुछ अंश सार्वजनिक होने के बाद पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी डेविड वॉर्नर ने भी उनके बयान का समर्थन किया है। गौरतलब है कि 2018 के गेंद से छेड़छाड़ विवाद में भूमिका के चलते वॉर्नर पर 12 महीने का प्रतिबंध लगाया गया था। इस मामले में स्टीव स्मिथ और कैमरन बैनक्रॉफ्ट पर भी कार्रवाई हुई थी।

विवाद दोबारा गर्माने के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग और अंतरिम अध्यक्ष डेविड बून ने घोषणा की कि 2018 के दक्षिण अफ्रीका दौरे में शामिल खिलाड़ियों और सहयोगी कर्मचारियों की बात सुनने के लिए स्वतंत्र मंच बनाया जाएगा।



ख्वाजा ने बोर्ड की मंशा पर उठाए सवाल

होबार्ट में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एकदिवसीय मुकाबले के प्रसारण के दौरान ख्वाजा ने कहा कि काश क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस मंच की घोषणा डेढ़ सप्ताह पहले कर दी होती। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों और सहयोगी कर्मचारियों को खुलकर अपनी बात रखने के लिए सुरक्षित अवसर मिलना चाहिए। ख्वाजा ने सबसे बड़ा सवाल यह उठाया कि आखिर इस मंच से निकलने वाली जानकारी को सार्वजनिक करने का अधिकार किसके पास होगा। यदि बोर्ड ही तय करेगा कि कौन सी बातें सामने आएंगी और कौन सी नहीं, तो पूरी सच्चाई लोगों तक पहुंचना मुश्किल होगा।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

बॉक्स ऑफिस पर रामायण का विस्फोट! दो हफ्ते में 1519 करोड़ पार, रणबीर-यश ने तोड़े रिकॉर्ड



भारतीय सिनेमा के इतिहास में रामायण ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसी सुनामी ला दी है कि बड़े-बड़े रिकॉर्ड पीछे छूट गए हैं। नितेश तिवारी के निर्देशन और नमित मल्होत्रा के निर्माण में बनी रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी अभिनीत इस फिल्म ने रिलीज के महज 14 दिनों में कमाई के नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए हैं। फिल्म का भारत में कुल ग्रॉस कारोबार 1,009 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है, जबकि दुनिया भर में इसकी कमाई 1,519.05 करोड़ रुपये हो गई है। इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ रामायण भारतीय सिनेमा की 1,000 करोड़ रुपये का घरेलू आंकड़ा पार करने वाली छठी फिल्म और हिंदी सिनेमा की तीसरी फिल्म बन गई है।

बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने 14वें दिन देशभर में 22,289 शो के जरिए 23.20 करोड़ रुपये का नेट कारोबार किया। इसके साथ भारत में फिल्म की कुल नेट कमाई 844.40 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। वहीं, घरेलू बाजार में ग्रॉस कलेक्शन 1,009.05 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। हालांकि, 13वें दिन के 28.60 करोड़ रुपये के मुकाबले 14वें दिन कमाई में 18.9 प्रतिशत की गिरावट आई, लेकिन इसके बावजूद फिल्म की रफ्तार शानदार बनी हुई है।

फिल्म के हिंदी संस्करण ने सबसे ज्यादा कमाई की। दूसरे गुरुवार को हिंदी में 17,661 शो से 16.50 करोड़ रुपये आए। मलयालम संस्करण ने 2.15 करोड़, कन्नड़ ने 1.65 करोड़, तमिल ने 1.60 करोड़ और तेलुगू संस्करण ने 1.30 करोड़ रुपये का कारोबार किया। खास बात यह है कि फिल्म ने दक्षिण भारत के चारों प्रमुख बाजारों कर्नाटक, आंध्र प्रदेश-तेलंगाना, केरल और तमिलनाडु में अलग-अलग 50 करोड़ रुपये से ज्यादा की ग्रॉस कमाई की है।

विदेशों में भी फिल्म का तूफान

विदेशी बाजारों में भी रामायण का जलवा बरकरार है। 14वें दिन फिल्म ने विदेशों से करीब 8 करोड़ रुपये कमाए। इसके साथ विदेशी बाजारों में कुल कारोबार 510 करोड़ रुपये हो गया। घरेलू और विदेशी कमाई को मिलाकर फिल्म का विश्वव्यापी कारोबार 1,519.05 करोड़ रुपये पहुंच गया है। महज दो सप्ताह में इस आंकड़े तक पहुंचना फिल्म की ऐतिहासिक सफलता को दर्शाता है। रामायण की सफलता से यश के खाते में भी एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। इससे पहले उनकी केजीएफ- चैप्टर 2 ने दुनियाभर में शानदार कारोबार किया था। अब रामायण के जरिए वह एक बार फिर 1,000 करोड़ क्लब की बड़ी सफलता का हिस्सा बन गए हैं।

दीया मिर्जा का नवाजुद्दीन सिद्दीकी पर तीखा हमला, बोलीं-

उनके साथ काम करना बुरे सपने जैसा

बॉलीवुड में एक नया विवाद चर्चा का विषय बन गया है। अभिनेत्री दीया मिर्जा ने अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने के अनुभव को बुरे सपने जैसा बताया। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर अभिनेता के व्यवहार और उनके रवैये पर नाराजगी जाहिर की। इसके बाद इंटरनेट मीडिया पर बहस छिड़ गई और कई यूजर्स ने दीया मिर्जा को निशाने पर लेना शुरू कर दिया। कुछ लोगों ने इस पोस्ट को प्रचार की रणनीति तक करार दिया है।

दीया मिर्जा ने इंस्टाग्राम पर नवाजुद्दीन सिद्दीकी को टैग करते हुए लिखा कि उनके साथ काम करना उनके लिए किसी बुरे सपने जैसा अनुभव रहा। अभिनेत्री ने अभिनेता के बातचीत करने के तरीके और व्यवहार पर सवाल उठाते हुए उन्हें आपत्तिजनक व्यक्ति बताया।



हालांकि, दीया ने अपनी पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया कि किस फिल्म, परियोजना या घटना के संदर्भ में उन्होंने यह टिप्पणी की है। उन्होंने अब तक इस मामले में कोई विस्तृत सफाई भी नहीं दी है। वहीं, नवाजुद्दीन सिद्दीकी की ओर से भी इस पोस्ट पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। दीया की इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। कई यूजर्स का मानना है कि यह किसी आगामी फिल्म, परियोजना या विज्ञापन के प्रचार का हिस्सा हो सकता है। एक यूजर ने टिप्पणी की कि आजकल हर चीज प्रचार का हिस्सा लगती है। एक अन्य यूजर ने कलाकारों के अनुयायियों की संख्या का जिक्र करते हुए पोस्ट पर सवाल उठाए। वहीं, कुछ लोगों ने कहा कि अब दर्शक प्रचार के ऐसे तरीकों को आसानी से पहचानने लगे हैं।



मेट्रो बाजार

केंद्र ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने निर्यातकों को अधिक सहायता प्रदान करने और निर्यात गतिविधियों में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्यात दिशा उप-योजना के तहत चार प्रमुख हस्तक्षेपों के दिशा-निर्देशों में संशोधन किया है। वाणिज्य विभाग द्वारा बुधवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इन बदलावों का उद्देश्य विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों और नए निर्यातकों को वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच उपलब्ध कराना है। संशोधित किए गए हस्तक्षेपों में मार्केट एक्सेस सपोर्ट , ट्रेड रेगुलेशंस, एक्रेडिटेशन एंड कंप्लायंस एनेबलमेंट और लॉजिस्टिक्स इंटरवेंशंस फॉर फ्रेट एंड ट्रांसपोर्ट शामिल हैं। मार्केट एक्सेस सपोर्ट का उद्देश्य भारतीय निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बढ़ाने में मदद करना है, जिसके तहत खरीदार-विक्रेता बैठकें, रिवर्स बायर-सेलर मीट, व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों और अन्य बाजार विस्तार गतिविधियों को समर्थन दिया जाता है। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, हवाई यात्रा व्यय प्रतिपूर्ति का लाभ लेने के लिए पात्र निर्यात कारोबार की अधिकतम सीमा को पिछले वर्ष के 75 लाख से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपए कर दिया गया है। इसके साथ ही माइक्रो और स्मॉल निर्यातकों के लिए हवाई किराया प्रतिपूर्ति को बढ़ाकर 95 प्रतिशत तक तथा अन्य पात्र निर्यातकों के लिए 80 प्रतिशत तक कर दिया गया है। इसके अलावा निर्यात संवर्धन परिषद की सदस्यता की अनिवार्य अवधि को छह महीने से घटाकर तीन महीने कर दिया गया है, जिससे नए निर्यातकों के लिए योजनाओं का लाभ लेना आसान हो जाएगा।

इग्नाइट कॉन्फ्रेंस में माइक्रोसॉफ्ट का एजेंटिक एआई टूल्स और कोपायलट वर्कस्पेस लॉन्च

नई दिल्ली । अमेरिका की दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने अपने वार्षिक तकनीकी सम्मेलन 'इग्नाइट' में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े कई नए प्रोडक्ट्स, मॉडल और इन्फ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड पेश किए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्या नडेला ने एआई के इस्तेमाल से कारोबार और उपयोगकर्ताओं के लिए वास्तविक परिणाम हासिल करने की कंपनी की रणनीति साझा की। यह घोषणा सॉफ्टवेयर क्षेत्र की दिग्गज कंपनी द्वारा माइक्रोसॉफ्ट 365 में आई बड़ी वैश्विक तकनीकी बाधा के कारणों का खुलासा करने के कुछ दिनों बाद की गई है।



नडेला ने एक्स पर लिखा, हम जिन भी चीजों की घोषणा कर रहे हैं, उनके पीछे हमारा उद्देश्य तकनीकी प्रगति को लोगों, संगठनों और पूरे समाज के लिए वास्तविक परिणामों और नए अवसरों में बदलना है।÷ इन घोषणाओं में सबसे प्रमुख 'कोपायलट वर्कस्पेस' रहा। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जिसे साझा संदर्भ और समान उद्देश्यों के आधार पर लोगों तथा एआई एजेंट्स को मिलकर काम करने में सक्षम बनाने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी ने माइक्रोसॉफ्ट-डिसीजन 1.1, कोड 2 और साइबर 2 फ्लैश सहित कई नए एआई मॉडल भी पेश किए। कंपनी के अनुसार, साइबर 2 फ्लैश कम लागत पर अत्याधुनिक एआई मॉडल से बेहतर सुरक्षा क्षमताएं प्रदान करता है। इसके अलावा, कंपनी ने अपने फाउंड्री प्लेटफॉर्म पर ओपनएआई के जीपीटी-6.2 को शामिल करके अपने मॉडल इकोसिस्टम का विस्तार किया है। इसके साथ ही मेटा के नवीनतम मॉडल भी इस प्लेटफॉर्म पर जोड़े गए हैं। अन्य उत्पादों की लॉन्चिंग के तहत माइक्रोसॉफ्ट ने 'एजेंट 365 बिजनेस एनालिटिक्स' की घोषणा की।





पुष्कर मेले में चारपाई पर चढ़कर थिरके ऊंट, दिखाए करतब

अजमेर। राजस्थान के अजमेर जिले के पुष्कर में चल रहे अंतरराष्ट्रीय पुष्कर मेले में बुधवार को ऊंट नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें अलग-अलग क्षेत्रों से आए ऊंट पालकों ने अपने प्रशिक्षित ऊंटों के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में ऊंटों ने एक से बढ़कर एक अनोखे नृत्य और हैरतअंगेज करतब दिखाए। ऊंटों का प्रदर्शन देखकर मैदान में मौजूद दर्शक दंग रह गए। किसी ऊंट ने चारपाई पर चढ़कर डांस किया तो किसी ने अपने मालिक को मुंह में दबाकर करतब दिखाया। प्रतियोगिता के दौरान ऊंटों ने अपने पालकों और प्रशिक्षकों के इशारों पर अलग-अलग अंदाज में प्रदर्शन किया। एक ऊंट चारपाई पर चढ़कर थिरकता नजर आया, वहीं दूसरे ने अपने मालिक को मुंह में दबाकर करतब दिखाया। एक ऊंट ने अपने मालिक के मुंह और सीने पर पैर रखकर भी प्रदर्शन किया। इन करतबों को देखकर दर्शक हैरान रह गए। कई लोग अपने मोबाइल में ऊंटों के करतब रिकॉर्ड करते नजर आए। पूरे आयोजन के दौरान दर्शकों की भीड़ जुटी रही और तालियों से मैदान गूंजता रहा। ऊंट पालकों ने बताया कि वे अपने ऊंटों को परिवार के सदस्य की तरह रखते हैं और उनकी देखभाल करते हैं। ऊंटों को बचपन से ही विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है, जिससे वे अपने मालिक के इशारों और आवाज को समझने लगते हैं। पालकों के अनुसार, लंबे समय तक साथ रहने, नियमित अभ्यास और आपसी समझ के कारण ऊंट उनके निर्देशों का पालन करते हैं। यही वजह है कि प्रतियोगिता में वे बिना घबराए अलग-अलग करतब दिखाते हैं।

न्यूज विंडो

पहली जन चौपाल में आज सीएम योगी करेंगे संवाद

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को अपराह्न तीन बजे कचहरी



स्थित टाउनहॉल मैदान में पहली जन चौपाल में शामिल होंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री पार्टी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से संवाद करेंगे और जनता का मिजाज जानेंगे। कार्यक्रम की तैयारियां पूरी की ली गई है। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों को परखने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही भाजपा के पदाधिकारियों ने निरीक्षण किया। क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय, महानगर अध्यक्ष रमेश गुप्ता ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें भी की और जरूरी निर्देश दिए। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि जन चौपाल में पार्टी के बूथ समिति, शक्ति केंद्र प्रमुख, मंडल स्तर के वर्तमान और पूर्व पदाधिकारी, पार्षद व पूर्व पार्षद, महानगर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल होंगे।

बनियान में छिपाए 20 लाख, गुजरात के तीन युवक गिरफ्तार

उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर में हवाला के जरिए रकम के लेनदेन की आशंका के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। सूरजपोल थाना पुलिस ने तीन युवकों के कब्जे से 80 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। तीनों आरोपी गुजरात के मेहसाणा जिले के रहने वाले हैं। वे 500-500 रुपये के नोटों की गड्डियां बनियान और बैग में छिपाकर ले जा रहे थे। तलाशी में कुल 16 हजार नोट मिले। इतनी बड़ी रकम के संबंध में आरोपी कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। पुलिस अब रकम के स्रोत और इसकी डिलीवरी के ठिकाने का पता लगा रही है। थानाधिकारी कमलेन्द्र सिंह ने बताया कि थाने की हॉक में तैनात कॉन्स्टेबल शिवलाल को मुखबिर से सूचना मिली थी कि इलाके में तीन संदिग्ध व्यक्ति घूम रहे हैं।

सतनाली नहर में पुल से पलटा ट्रैक्टर, बच्ची और महिला की मौत

महेंद्रगढ़ (हरियाणा)। महेंद्रगढ़ के सतनाली में गांव सोहड़ी के पास नहर पर बने पुल से गुजरते समय एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर नहर में पलट गया। हादसे में छह वर्षीय बच्ची और 40 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के समय ट्रैक्टर में कुल पांच लोग सवार थे। जानकारी के अनुसार मोना (6) पुत्री अजीत और पिंकी (40) सहित परिवार के पांच लोग किसी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद घर लौट रहे थे। वे सोहड़ा जाने के लिए नहर के पुल से गुजर रहे थे। इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और पुल से सीधे नहर में जा गिरा।

युवक की गोली मारकर हत्या; कान -पेट में सटाकर गोली मारी

पटना। पटना के फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के आलमपुर-गानपुरा इलाके में 24 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान ओमप्रकाश उर्फ खाजा के रूप में हुई है। बुधवार रात करीब 11 बजे से वह घर से गायब था। गुरुवार को उसका शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान ओमप्रकाश (24), पिता स्वर्गीय विष्णु देव राय के रूप में हुई है। उनके भाई का नाम राजा कुमार (28) बताया गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, ओमप्रकाश को कान के नीचे और पेट में सटाकर गोली मारी गई।

इस्तीफा दे चुके सीईओ औरउनकी पत्नी के कारनामों का खुलासा

8 महीने पहले ही एनवीडिया के 10.5 अरब डॉलर के शेयर फैमिली ट्रस्ट के नाम किए

नई दिल्ली। एजेंसी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्रांति की अगुवा कंपनी एनवीडिया के सह-संस्थापक और पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसन हुआंग के इस्तीफे के बाद अब उनकी निजी संपत्ति के हस्तांतरण को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। कंपनी में कथित प्रेम संबंधों (अफेयर्स) के खुलासे और पद छोड़ने से ठीक आठ महीने पहले जेनसन हुआंग और उनकी पत्नी लोरी हुआंग ने एनवीडिया के 10.5 अरब डॉलर (लगभग 5.9 करोड़ शेयर) से अधिक मूल्य के शेयर एक फैमिली ट्रस्ट में स्थानांतरित कर दिए थे। अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग के दस्तावेजों के हवाले से सामने आए इस कदम को वित्तीय विशेषज्ञ वेल्थ ट्रांसफर की सबसे चौंकाने वाली रणनीतियों में से एक बता रहे हैं।



एनवीडिया और वैश्विक टेक बाजार के लिए अब आगे क्या?

जेनसन हुआंग के अप्रत्याशित इस्तीफे ने एनवीडिया को गहरे नेतृत्व संकट में धकेल दिया है। फिलहाल स्थिति को संभालने के लिए निदेशक मंडल ने कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी कोलेट क्रेस को अंतरिम सीईओ नियुक्त किया है। विश्लेषकों का मानना है कि विवादों के सार्वजनिक होने से आने वाले दिनों में और अधिक चर्चा के केंद्र में रह सकती है।

क्या है 10.5 अरब डॉलर के शेयरों के ट्रांसफर का पूरा मामला?

रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, मार्च 2026 में हुआंग दंपति ने 5.9 करोड़ से अधिक शेयर 'हुआंग इर्रेवोकेबल रिमाइंडर्स ट्रस्ट' में ट्रांसफर किए।

दशकीय ट्रस्ट की परिपक्वता: यह भारी-भरकम ट्रांसफर उस समय हुआ जब जेनसन और लोरी हुआंग द्वारा वर्ष 2016 में स्थापित दो 10-वर्षीय ग्रैंटर रिटेंड एन्युटी ट्रस्ट मार्च में समाप्त हुए।

चार ट्रस्ट का ढांचा: संपत्ति योजना के तहत दंपति ने कुल चार जीआरएटी शुरू किए थे। इनमें से दो ट्रस्ट चार-चार साल की अवधि के लिए थे, जबकि दो ट्रस्ट 10 साल की लंबी अवधि के लिए बनाए गए थे।

लंबी अवधि का असामान्य विकल्प: वेल्थ प्लानर्स के मुताबिक, 10 साल की अवधि वाले जीआरएटी आमतौर पर बहुत कम चुने जाते हैं, क्योंकि लंबी अवधि में शेयरों की वृद्धि का सटीक अनुमान लगाना बेहद कठिन होता है।

क्या टैक्स बचाने और उत्तराधिकार की योजना थी मुख्य वजह?

संपत्ति सलाहकारों (एस्टेट प्लानर्स) के अनुसार, माता-पिता द्वारा अपनी संतानों या उत्तराधिकारियों को संघीय संपदा कर चुकाए बिना संपत्ति सौंपने के लिए इस प्रकार के ट्रस्ट बेहद प्रभावी और सुव्यवस्थित जरिया माने जाते हैं।

वारिसों की स्थिति: हुआंग दंपति के दो वयस्क बच्चे मैडिसन और स्पेंसर हैं, जो दोनों ही एनवीडिया में कार्यरत हैं। हालांकि, इस इर्रेवोकेबल ट्रस्ट का वास्तविक लाभार्थी कौन है, यह सार्वजनिक दस्तावेजों में स्पष्ट नहीं किया गया है।

हुआंग की मौजूदा हिस्सेदारी: इस बड़े ट्रांसफर के बावजूद 63 वर्षीय जेनसन हुआंग अब भी एनवीडिया के सबसे बड़े व्यक्तिगत शेयरधारक बने हुए हैं। उनके पास कंपनी की लगभग 3.5 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसकी कुल मार्केट वैल्यू करीब 130 से 150 अरब डॉलर आंकी गई है।

करोड़ों की ठगी: आरोपी दीपक टंडन और पत्नी बरखा की मांगी रिमांड

रायपुर। एजेंसी

रायपुर में करोड़ों रुपये की ठगी के मामले की जांच कर रही पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपक टंडन की पत्नी बरखा टंडन की पुलिस रिमांड के लिए अदालत में आवेदन दिया है। पुलिस पहले से हिरासत में मौजूद आरोपी दीपक टंडन से लगातार पूछताछ कर रही है। अब जांच एजेंसी दोनों पति-पत्नी को एक साथ आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करने की योजना बना रही है। पुलिस को उम्मीद है कि इस संयुक्त पूछताछ के माध्यम से ठगी के पूरे जाल, अवैध पैसों की हेरफेर और इस आपराधिक कृत्य में शामिल अन्य सहयोगियों की भूमिका से जुड़े कई महत्वपूर्ण राज खुलकर सामने आएंगे। जांचकर्ताओं को आशंका है कि करोड़ों रुपये के इस वित्तीय घोटाले से जुड़े लेनदेन और अन्य गुप्त गतिविधियों के विषय में बरखा टंडन के पास कई महत्वपूर्ण जानकारियां मौजूद हो सकती हैं। यद्यपि मामले में उनकी सीधी संलिप्तता और भूमिका की पड़ताल अभी जारी है, परंतु पुलिस पूछताछ के माध्यम से सभी दावों और तथ्यों की पुष्टि करना चाहती है। अदालत से रिमांड स्वीकृति मिलते ही पुलिस दोनों आरोपियों को आमने-सामने बैठाएगी।

फर्जी रिपोर्ट और अवैध गेट मामले में डीसी-एसपी समेत 53 को नोटिस

अंबाला। एजेंसी

अदालत में झूठी और मनगढ़ंत एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) पेश करने, तथ्यों को छिपाने और सार्वजनिक गली में अवैध रूप से लोहे के गेट लगाने के मामले में अदालत ने कड़ा रुख अपनाया है। न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी (जेएमआईसी) पवनदीप कौर की अदालत ने एक और एतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने शिकायतकर्ता दीपक संधू की ओर से दायर झूठी गवाही के आवेदन को अदालती शिकायत के रूप में स्वीकार करते हुए अंबाला उपायुक्त, एसपी समेत सभी 53 आरोपियों को संज्ञान पूर्व नोटिस जारी किया है। सभी को 27 नवंबर को अदालत में तलब किया गया है।

इसमें अंबाला के उपायुक्त, तत्कालीन एसपी, अंबाला छावनी के डीएसपी, थाना महेश नगर (अंबाला छावनी) के एसएचओ, अंबाला छावनी के एसडीएम और अंबाला सदर के नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी शामिल हैं, जिन पर फर्जी एक्शन टेकन रिपोर्ट दाखिल करने और कानूनी कार्रवाई न करने का आरोप है। इसके अलावा अनुमति पत्र जारी करने वाले और अन्य संबंधित वे अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं जिन्होंने कथित रूप से अनधिकृत या फर्जी संस्वीकृति/अनुमति पत्र जारी करने में भूमिका निभाई।

राहुल से मुलाकात के बाद हरीश रावत में लौटा जोश

देहरादून। एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम हरीश रावत ने कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व से कई राजनीति मुद्दों पर खुली बातचीत से खुद को उत्साहित महसूस कर रहा हूं। राहुल गांधी से मुलाकात के बाद नई ऊर्जा व स्फूर्ति की अनुभूति हो रही है। इसका असर उत्तराखंड में दिखाई देगा। हरीश रावत ने कहा मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार यह है कि 80 की उम्र तब पार्टी नेतृत्व मुझे



उत्तराखंड और देश में पार्टी के लिए उपयोगी माना है। इस उम्र में पार्टी नेतृत्व यह कहना मेरे लिए एक बूस्टर डोज का काम कर रहा है। काम तो मैं पहले भी करता रहता था या करता रहता हूं। मैंने अपनी धन्यवाद जनसंवाद यात्रा के विषय में भी नेतृत्व के सामने अपनी सोच रखने का अवसर मिला। मैंने नेतृत्व को अवगत कराया कि मैं लंबे समय से बीमार रहा और एक गंभीर परिस्थिति से गुजरा और लोगों ने मेरे स्वास्थ्य को लेकर अपने-अपने तरीके से चिंताएं भी जताई। इसी दौरान ईडी ने भी मेरे एक सहयोगी के घर पर छापा मारा और मुझे भी नोटिस देकर तलब किया।

राहुल अमेरिका में बोले- भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र, हम लोकतंत्र को खत्म नहीं करना चाहते

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने कहा, 'भारतीय लोकतंत्र हमारे लिए पवित्र है। मेरे लिए, यह कहना भी मुश्किल है कि भारतीय लोकतंत्र में कोई समस्या है। अगर हमने चुनावों का बॉयकॉट करने का फैसला किया, तो उसी पल भारतीय लोकतंत्र खत्म हो जाएगा।'

राहुल ने कहा, 'हम लोकतंत्र को खत्म नहीं करना चाहते। हमारी स्ट्रैटजी है कि हम लड़ें और भारत के लोगों को बताएं कि देश में क्या चल रहा है। विपक्ष को चुनावी प्रक्रिया में काफी नुकसान उठाना पड़ा है। इसके बावजूद चुनाव का बहिष्कार



नहीं करेंगे।' राहुल गांधी ने यह बात गुरुवार को यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में प्रोफेसर रॉबर्ट पेप के साथ हुए संवाद के दौरान कही। राहुल दो दिवसीय अमेरिका के दौरे पर हैं। बुधवार को उन्होंने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था।

मेट्रो एंकर

झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद गिरिडीह में बोस के निवास पर सामने आएंगे दस्तावेज

89 साल बाद खुलेगी वैज्ञानिक जगदीशचंद्र बोस की संदूक

गिरिडीह। एजेंसी

झारखंड उच्च न्यायालय ने महान वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस की ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने प्रशासनिक उपेक्षा पर स्वतः संज्ञान लेते हुए गिरिडीह स्थित उनके आवास में 89 वर्षों से बंद लोहे के संदूक को खोलने का स्पष्ट निर्देश दिया है। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति आर मुखोपाध्याय और न्यायमूर्ति राम शर्मा की खंडपीठ ने इस विषय पर प्रकाशित समाचार का अवलोकन करने के बाद यह आदेश जारी किया।

23 नवंबर 1937 को गिरिडीह में हुआ था बोस का निधन



महान वैज्ञानिक सर जगदीश चंद्र बोस का निधन 23 नवंबर, 1937 को गिरिडीह स्थित उनके आवास 'शांति भवन' में हुआ था। इस ऐतिहासिक भवन को वर्तमान में सर जेसी बोस संग्रहालय के नाम से जाना जाता है। वैज्ञानिक के निधन के 89 वर्ष बीत जाने के बाद भी इस परिसर में रखा उनका लोहे का संदूक आज तक नहीं खोला गया है। ऐसी प्रबल आशंका है कि इस संदूक के अंदर वैज्ञानिक के महत्वपूर्ण शोधों से संबंधित अमूल्य दस्तावेज और पांडुलिपियां सुरक्षित रखी हो सकती हैं। यह शोध दस्तावेज वैज्ञानिक जगत और संपूर्ण मानवता के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। इसी महत्व को देखते हुए अदालत ने टिप्पणी की कि इस रहस्यमयी संदूक को खोलने का उपयुक्त समय अब आ गया है।

जर्जर स्थिति पर अदालत ने जताई चिंता

मामले की सुनवाई के समय उच्च न्यायालय की पीठ ने संग्रहालय भवन की बदहाल और जर्जर स्थिति पर भी गहरा असंतोष प्रकट किया। अदालत ने कहा कि संग्रहालय की तरह ही झारखंड के कई अन्य ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल भी प्रशासनिक उदासीनता झेल रहे हैं। पीठ ने पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल और युवा मामलों के विभाग को निर्देश दिया कि वह राज्य भर के सभी प्रमुख धरोहर स्थलों की पहचान करे। इसके बाद इन ऐतिहासिक स्थलों के जीर्णोद्धार और उचित संरक्षण के लिए प्रभावी दीर्घकालिक योजना बनाकर उसे लागू करे।

अधिकारियों को हलफनामा दाखिल करने का आदेश

उच्च न्यायालय ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पर्यटन, कला, संस्कृति, खेल और युवा मामलों के सचिव तथा गिरिडीह के उपायुक्त को मामले में पक्षकार बनाया है। अदालत ने इन दोनों उच्च अधिकारियों को अपना-अपना विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। मामले को अग्रिम कार्रवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश की पीठ के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। आदेश की प्रति राज्य के अधिवक्ता को सौंप दी गई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524